@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शनिवार, 7 दिसंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 27 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

डिप्टी सीएम अजित पवार को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार को शपथ लेने के अगले दिन ही बेनामी संपत्ति ट्रिब्यूनल से बड़ी राहत मिली है। 2021 में बेनामी संपत्ति मामले में जब्त की गईं अजित पवार की

संपत्तियों को मुक्त कर दिया गया है। दिल्ली में बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश के बाद आयकर विभाग ने यह कार्रवाई की। न्यायाधिकरण ने अजित और उनके परिवार के खिलाफ बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज कर दिया था। सात अक्तूबर 2021 को अजित पवार के 70 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। केंद्रीय एजेंसी ने दो रियल एस्टेट ग्रुप और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद एक हजार करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की थी। इस संपत्ति का कोई हिसाब नहीं था। इसके बाद विभाग ने संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की थी। इस मामले में दिल्ली में बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण में सुनवाई की गई। न्यायाधिकरण ने पांच नवंबर को आयकर विभाग की ओर से दायर की गई अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इसके बाद आयकर विभाग ने उनकी जब्त की गईं संपत्तियों को मुक्त कर दिया। बता दें कि एनसीपी नेता अजित पवार ने गुरुवार को ही महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की शपथ ली है। हाल ही महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में अजित पवार ने बारामती सीट से जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। महायुति गठबंधन के तीनों घटक दल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी क्रमशः राज्य की शीर्ष तीन पार्टियां हैं। वहीं इसके उलट महा विकास अघाड़ी को 288 सीटों में से मात्र 46 सीटें ही हासिल की है। इसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी ने सिर्फ 10 ही सीटें विधानसभा चुनाव में जीती है।

महाराष्ट्र विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर का शपथग्रहण

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 6 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कालीदास कोलंबकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र शुरू होने से एक दिन पहले कोलंबकर ने शपथ ली। वे नौ बार से विधायक हैं। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। 'प्रोटेम स्पीकर' के रूप में वह 288 नवनिर्वाचित विधायकों को पद की शपथ दिलाएंगे। इसके बाद वे सात दिसंबर से शुरू हो रहे 15वीं विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव नौ दिसंबर को होगा, जिसके बाद देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार विश्वास मत हासिल करेगी। राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 से 21 दिसंबर तक नागपुर में आयोजित होगा। इससे पहले फडणवीस ने गुरुवार शाम राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि भाजपा नीत महायुति गठबंधन के नेताओं एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए चुनाव में महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा-शिवसेना-राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) ने 288 विधानसभा सीट में से 230

सीट जीती। इससे पहले मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित, शिंदे और राज्यपाल राधाकृष्ण ने 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ. बीआर आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सीएम फडणवीस ने कहा कि हर कोई जानता है कि हमारा देश तेजी से प्रगति कर रहा है...सबसे खूबसूरत चीज भारत का संविधान है। बाबासाहेब ने सभी विषयों का अध्ययन किया था और यह संविधान में देखा जा सकता है...हम बाबासाहेब का ऋण कभी नहीं चुका सकते। हम जो भी करेंगे, संविधान के अनुसार करेंगे। शिवसेना विधायक भरत गोगावले ने कहा कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भाजपा से गृह विभाग की मांग की है। विभागों के आवंटन पर बातचीत चल रही है। मंत्रिमंडल विस्तार राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले 11 से 16 दिसंबर के बीच होने की संभावना है। जब देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे, तो उनके पास गृह विभाग भी था। पिछली महायुति सरकार में शिवसेना के पास जो विभाग थे, उन्हें बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग आवंटन पर बातचीत दो दिनों में पूरी हो जाएगी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की 2021 में बेनामी मामले में जब्त की गई संपत्तियां को आयकर विभाग ने मुक्त कर दिया। दिल्ली में बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश के बाद आयकर विभाग ने यह कार्रवाई की। न्यायाधिकरण ने अजित और उनके परिवार के खिलाफ बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज कर दिया था।

जहां भी अन्याय होगा, वहां जाएंगे राहुल गांधी और खरगे: सुरजेवाला

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। दिल्ली में किसानों को आने की अनुमति नहीं मिलने पर क्या राहुल गांधी उनसे मिलेंगे, इस सवाल पर कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, कांग्रेस इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहती। जहां भी अन्याय होगा, राहुल गांधी, खड़गे जी जाएंगे। यह राजनीति का विषय नहीं है, यह देश की खाद्य सुरक्षा का विषय है। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आगे कहा कि, तीनों कृषि कानून इस वादे के साथ वापस लिए गए थे कि एमएसपी की गारंटी वाला कानून लाया जाएगा। अब 2 साल बीत चुके हैं। एक बार फिर देश का किसान सीमा पर बैठा है। धरती का भगवान कहे जाने वाले किसान को अब लाठी, आंसू गैस, कंक्रीट की दीवारों का इस्तेमाल करके रोका जा रहा है। और जब देश के कृषि मंत्री से पूछा गया कि क्या वह एमएसपी की गारंटी के लिए कानून बनाएंगे, तो उन्होंने खुले तौर पर इस सवाल

को टाल दिया। यह किसी न किसी तरह से मोदी सरकार की मंशा को दर्शाता है। सुरजेवाला ने कहा कि, कांग्रेस की मांग है कि देश के प्रधानमंत्री को बिना किसी देरी के किसानों को बातचीत के लिए बुलाना चाहिए। संसद के इसी सत्र में एमएसपी की गारंटी के लिए कानून पारित किया जाना चाहिए। बता दें कि, दिल्ली की ओर मार्च कर रहे किसानों को शंभू सीमा पर रोक दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च निकालने की घोषणा की थी। भारतीय किसान परिषद (बीकेपी) और अन्य किसान संगठन मुआवजे और एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं।

महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए शरद पवार

मुंबई, 6 दिसंबर। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन संसद सत्र चल रहा है, इसलिए वे समारोह में शामिल नहीं हो सके। मुंबई में गुरुवार को आयोजित समारोह में विपक्ष का कोई भी प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ था। खुद चार बार मुख्यमंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा, मुझे मुख्यमंत्री (फडणवीस) का फोन आया। उन्होंने खुद फोन किया, लेकिन चूंकि संसद सत्र चल रहा है, इसलिए मैंने उनसे कहा कि मेरे लिए सत्र छोड़ना संभव नहीं है। लेकिन मैंने सरकार को अपनी शुभकामनाएं दीं। यह पूछे जाने पर कि सरकार गठन की प्रक्रिया में भाजपा के सहयोगी और पिछले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, शिवसेना के नेता को दरकिनार किए जाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में था।

डॉलर मुक्त कारोबार की कोई योजना नहीं: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार बताया कि भारत की अपने व्यापार को डॉलर मुक्त करने की कोई योजना नहीं है और वह केवल अन्य तरीकों से जोखिम कम करने पर विचार कर रहा है। वह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी

से संबंधित उस प्रश्न का उत्तर दे रहे थे कि यदि ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर से दूर जाने का निर्णय लेते हैं तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। दास ने यहां केंद्रीय बैंक मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, जहां तक भारत का सवाल है, हमने डॉलर को समाप्त करने आदि के संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। ब्रिक्स मुद्रा के बारे में उन्होंने कहा कि यह विचार समूह के एक सदस्य की ओर से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस पर कुछ चर्चाओं के अलावा कोई प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश विश्व भर में फैले हुए हैं। उन्होंने बताया कि आपसी निकटता ने यूरोपीय संघ के लिए एकल मुद्रा की सफलता में मदद की है। दास ने कहा कि भारत के प्रयास वोस्ट्रो खातों की अनुमति देने और स्थानीय मुद्रा में व्यापार लेनदेन निपटाने के लिए दो देशों के साथ समझौते करने तक सीमित हैं। उन्होंने कहा, इसका मूलत: उद्देश्य हमारे व्यापार के जोखिम को कम करना है। एक मुद्रा पर निर्भरता कभी-कभी मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास के कारण समस्या का कारण बन सकती है।

इंडिया ब्लॉक के काम से खुश नहीं ममता बनर्जी

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 6 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और विपक्षी गठबंधन इंडिया की प्रमुख नेता ममता बनर्जी ने शुक्रवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वे इंडिया ब्लॉक के काम से खुश नहीं हैं। अगर मौका मिला तो वह गठबंधन की कमान संभाल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मैं बंगाल की सीएम के साथ ही विपक्षी गठबंधन चलाने की जिम्मेदारी उठा सकती हूं। एक कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था। अब इसका प्रबंधन गठबंधन का नेतृत्व करने वालों पर निर्भर है। अगर वे इसे नहीं चला सकते तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। अगर मुझे मौका मिला तो मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी। मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं। भाजपा का मुकाबला करने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन इंडिया दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। हाल ही में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कांग्रेस

और गठबंधन के अन्य सहयोगियों से अपने अहंकार को अलग रखने और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेता बनाने की मांग की थी। मौजूदा समय में चुनावों में विपक्षी गठबंधन को लगातार मिल रही हार के चलते इस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ममता बनर्जी की पार्टी इसलिए दबाव बना रही है क्योंकि हाल ही में बंगाल में हुए उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को हराया। जबकि टीएमी के विरोध में आरजी कर मेडिकल कॉलेज समेत तमाम मुद्दे थे। वहीं महाराष्ट्र में भाजपा ने बंपर जीत हासिल की और विपक्ष के महाविकास अघाड़ी की करारी हार हुई। हालांकि झारखंड में झामुमो के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया ब्लॉक ने जोरदार वापसी की। मगर कांग्रेस ने अपनी हार का सिलसिला जारी रखा। झारखंड में वह झामुमो की सहयोगी बनकर रह गई। इसके साथ ही विपक्षी खेमे में कांग्रेस की भूमिका और भी कम हो गई, क्योंकि अन्य छोटे दलों ने उससे बेहतर प्रदर्शन किया। कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन का नेता माना जाता रहा है, जबकि टीएमसी लगातार ममता बनर्जी को गठबंधन की बागडोर सौंपने की मांग करती रही है।

किसानों का कल्याण हमारी प्रतिबद्धता: शिवराज सिंह चौहान

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एमएसपी दरों को बढ़ाने और इन दरों पर फसलों की खरीद सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। वहीं एमएसपी के बारे में राज्यसभा में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, एमएसपी तब प्रदान किया जाता है जब फसलें एमएसपी से कम दरों पर बेची जाती हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसानों का कल्याण हमारी प्राथमिकता है। हमने एमएसपी बढ़ाने और एमएसपी दरों पर फसल खरीदने की दिशा में काम किया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में किसानों के लिए बजट आवंटन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। पिछले 10 वर्षों में कृषि के लिए बजट में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि हुई है। मोदी सरकार दूरदर्शिता

के साथ काम करती है और किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शिवराज सिंह चौहान पर भरोसा जताते हुए उन्हें किसानों के बीच संभावित पसंदीदा बताया। जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्री (शिवराज सिंह चौहान), जिन्हें कभी देश का लाडला कहा जाता था, वे किसानों के लाडला बन जाएंगे। इस बीच, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने प्रदर्शनकारी किसानों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया और सरकार के बातचीत के लिए खुलेपन को दोहराया। उन्होंने कहा, किसानों के लिए अपने मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दरवाजे खुले हैं। मैं खुद को उनका भाई मानता हूं। अगर वे हमारे पास आना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है, या हम बातचीत के लिए उनके पास जाएंगे। इससे पहले दिन में, दिल्ली चलो विरोध प्रदर्शन के तहत दिल्ली की ओर मार्च कर रहे किसानों को शंभू सीमा पर रोक दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने कई मांगों को लेकर राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च निकालने की घोषणा की थी। शीतकालीन संसद का पहला सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ, लेकिन व्यवधानों का सामना करना पड़ा, जिससे समय से पहले स्थगित करना पड़ा। सत्र 20 दिसंबर तक जारी रहने वाला है।

9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करेंगे विदेश सचिव

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव 9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करने वाले हैं और वे अपने समकक्ष से मिलेंगे और इस यात्रा के दौरान कई अन्य बैठकें भी होंगी। विदेश सचिव के नेतृत्व में विदेश कार्यालय परामर्श भारत और बांग्लादेश के बीच एक संरचित जुड़ाव है। हम इस बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बता दें कि, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ गई है। वहीं भारत ने इस मामले में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की थी। वहीं सीरिया में हाल ही में हुए घटनाक्रमों पर उन्होंने कहा कि, हमने सीरिया के उत्तर में हाल ही में लड़ाई में हुई बढ़ोतरी पर ध्यान दिया है। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सीरिया में लगभग 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो कई संयुक्त राष्ट्र संगठनों में काम कर रहे हैं। हमारे दूतावास अपने नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए उनके साथ निकट संपर्क में हैं। भारत ने यह खबर सामने आने के बाद शुक्रवार को पाकिस्तान से जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मसूद अजहर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की कि उसने हाल ही में बहावलपुर में एक जनसभा में भाषण दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यदि खबर सही है, तो इससे आतंकवादी गतिविधियों को रोकने में पाकिस्तान का दोहरा रवैया उजागर हो गया है। रणधीर जायसवाल ने कहा, हम मांग करते हैं कि उसके (अजहर के) खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके उसे न्याय के कटघरे में लाया जाए।

शपथ ग्रहण समारोह में मुझे नहीं बुलाया गया: नाना पटोले

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 6 दिसंबर। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नए

सीएम देवेंद्र फडणवीस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में मुझे नहीं बुलाया गया। मेरे मित्र फडणवीस को बधाई। मुझे उम्मीद है कि मेरे मित्र राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। जनता को महायुति सरकार से कई अपेक्षाएं हैं। नाना पटोले ने कहा कि उनको शपथ ग्रहण समारोह का कोई निमंत्रण नहीं मिला। अगर न्योता मिलता तो वे कार्यक्रम में जरूर शामिल होते। वैसे मेरा मित्र मुख्यमंत्री बन गया है, उसको शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि नई सरकार महंगाई पर लगाम लगाएगी। साथ ही किसानों और युवाओं की समस्याओं का समाधान करेगी। सोयाबीन और कपास के किसानों से किया गया वादा पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उम्मीद है कि फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र अगले पांच सालों में प्रगति करेगा। मुख्यमंत्री कांट्रैक्ट पर भर्तियां न करने और विभिन्न विभागों में खाली पदों को भरने का काम करेंगे। इसके अलावा पटोले ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की अधिक बसें चलाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार को महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था सुधारनी चाहिए। इसे नशा मुक्त राज्य बनाना चाहिए। गुरुवार को मुंबई के आजाद मैदान पर देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया था। इसके अलावा बड़ी संख्या में राजनीतिक, उद्योग और फिल्म जगत की हस्तियों ने शिरकत की थी। जबकि कार्यक्रम में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख पटोले समेत विपक्ष का कोई नेता नहीं पहुंचा था। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं इसके उलट महा विकास अघाड़ी को 288 सीटों में से मात्र 46 सीटें ही हासिल की है। इसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी ने सिर्फ 10 ही सीटें विधानसभा चुनाव में जीतीं।

हमें अपनी आवाज उठाने की सजा मिल रही है: मीरवाइज उमर

श्रीनगर, 6 दिसंबर। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है और जामा मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करने से रोका गया है। मीरवाइज, जो कश्मीर के प्रमुख धार्मिक नेता भी हैं, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पोस्ट में कहा जब मैं जामा मस्जिद जुमे की तकरीर और नमाज के लिए जाने वाला था, तब मुझे मौखिक रूप से सूचित किया गया कि आज मुझे घर में नजरबंद कर दिया गया है और मुझे जामा मस्जिद नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह किसी के अनुमान पर निर्भर है, कि उन्हें जामा मस्जिद जाने से क्यों रोका गया। क्या यह बाबरी मस्जिद के विध्वंस की 32वीं वर्षगांठ से जुड़ा हुआ है, या फिर मस्जिद और दरगाह सर्वेक्षण के खिलाफ हमने जो आवाज उठाई थी, उससे संबंधित है?

समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए राज्यों को कोई दिशा-निर्देश नहीं जारी किए गए: अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को इस बात को खारिज कर दिया कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए केंद्र की तरफ से राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों के बारे में लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए भारत सरकार की तरफ से राज्य सरकारों को कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर ने संविधान सभा में प्रासंगिक प्रावधान पेश करते हुए देश में समान नागरिक संहिता पर जोर दिया था। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा, अब तक एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां नागरिक कानून नहीं पहुंच सके हैं, वह है विवाह और उत्तराधिकार, इसलिए, संविधान के एक भाग के

रूप में मसौदा अनुच्छेद 35 (अब अनुच्छेद 44) दिया गया है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय ने समान नागरिक संहिता के संबंध में कई निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 44 का हवाला देते हुए कहा था कि संविधान की भावना भी ऐसी समान संहिता को बढ़ावा देती है। उत्तराखंड ने हाल ही में अपना समान नागरिक संहिता लागू किया है। केंद्र ने इस मामले को विधि आयोग को भेज दिया है, जिसने पिछले साल इस पर नए सिरे से सार्वजनिक विमर्श शुरू किया है। इससे पहले, 21वें विधि आयोग ने जो अगस्त 2018 तक कार्यरत था, इस मुद्दे पर गौर किया था और दो मौकों पर सभी हितधारकों से विचार मांगे थे। समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में रहने वाले सभी नागरिकों (हर धर्म, जाति, लिंग के लोग) के लिए एक ही कानून होना। अगर किसी राज्य में सिविल कोड लागू होता है तो विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेना और संपत्ति के बंटवारे जैसे तमाम विषयों में हर नागरिकों के लिए एक से कानून होगा।

आरएसएफ के हमले में कम से कम 20 नागरिकों की मौत

एजेंसी

खार्तूम । सूडान में उत्तरी दारफुर राज्य के एक क्षेत्र पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में 20 नागरिकों की मौत हो गई। दारफुर क्षेत्र के गवर्नर ने यह जानकारी दी। गवर्नर मिन्नी आर्को मिन्नावी ने बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा, आरएसएफ ने एल फशर शहर के दक्षिण में अबू जेरिगा क्षेत्र में नरसंहार किया, जिसमें 20 नागरिकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी के अनुसार मिन्नावी ने बताया कि हमला हुआ।गवर्नर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवीय संगठनों से अपराधों का दस्तावेजीकरण करने और अपराधियों को इंसाफ के कटघरे में लाने के लिए इंटरनेशनल जांच टीम भेजने की अपील की। मिन्नावी ने सहायता संगठनों से गहराते मानवीय संकट के बीच प्रभावित आबादी को मदद पहुंचाने की कोशिशों को तेज करने की अपील की। इस बीच, गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने कहा कि हमले में 21 नागरिकों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य घायल हो गए। आरएसएफ ने अबू जेरिगा क्षेत्र पर हुए हमले पर कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। 10 मई से अल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हुई हैं। दोनों पक्ष अप्रैल 2023 के मध्य से एक क्रूर संघर्ष में उलझे हुए हैं।

भारत और वियतनाम ने रणनीतिक साझेदारी को किया मजबूत, सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति

हनोई। वियतनाम ने भारत से अपील की कि वह विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय की कानून प्रवर्तन क्षमता में सुधार के लिए समर्थन देना जारी रखे। हनोई ने सुरक्षा के क्षेत्र में मदद को द्विपक्षीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। पोलित ब्यूरो सदस्य और वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री जनरल लुओंग टैम क्वांग ने कहा कि भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी संबंध उच्च राजनीतिक विश्वास के साथ सकारात्मक रूप से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने भारत के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) पवन कपूर का हनोई का अपने ऑफिस स्वागत करते हुए यह बात कही। यह बैठक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक और वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा उप मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल फाम द तुंग की सह-अध्यक्षता में तीसरे भारत-वियतनाम सुरक्षा वार्ता के तुरंत बाद हुई। बैठक में दोनों देशों के नेताओं के संदेशों को पहुंचाने के लिए उच्च स्तरीय आदान-प्रदान बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वियतनामी मंत्री ने सुरक्षा वार्ता के सकारात्मक परिणामों पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए सहयोग की विषय-वस्तु को ठोस रूप देने का एक अच्छा अवसर है ताकि दोनों देशों के बीच और विशेष रूप से वियतनामी लोक सुरक्षा मंत्रालय और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के बीच रिश्तों को और विकसित किया जा सके।

रूस ने अमेरिकी धमकियों पर चिंता व्यक्त की

वाशिंगटन। रूस ने सीमित परमाणु हमलों की संभावना के बारे में अमेरिकी धमकियों पर चिंता व्यक्त की है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन से कहा, रूस की ओर से 'रेड लाइन' न बनाए जाने तथा उसके स्थानांतरित होने के बारे में पश्चिमी देशों का बयान एक बहुत गंभीर गलती है। इस तरह की धमकियां वास्तव में चिंताजनक हैं। क्योंकि अगर वे उस तर्क का पालन कर रहे हैं, जिसे कुछ पश्चिमी देश हाल ही में दोहरा रहे हैं, कि वे यह नहीं मानते कि रूस के पास रेड लाइन है, तो उन्होंने अपनी रेड लाइन की घोषणा कर दी है, इन रेड लाइन को बार-बार आगे बढ़ाया जा रहा है। यह एक बहुत गंभीर गलती है।

बंगलादेश ने कोलकाता, अगरतला में नियुक्त मिशन प्रमुखों को वापस बुलाया

ढाका। बंगलादेश ने पिछले सप्ताह अगरतला और कोलकाता में अपने राजनयिक मिशन कार्यालयों पर तथा कथित हमले की घटना के बाद यहां तैनात मिशन प्रमुखों को बुला लिया है। स्थानीय समाचार पत्र प्रोथोम अलो ने विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि कोलकाता मिशन प्रमुख देश लौट आये हैं और त्रिपुरा में तैनात सहायक उच्चायुक्त के भी ढाका लौटने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कोलकाता में बंगलादेश के कार्यवाहक उप उच्चायुक्त शिकदर मोहम्मद अशरफुर रहमान और त्रिपुरा में सहायक उच्चायुक्त आरिफुर रहमान को मंगलवार को तत्काल ढाका लौटने का निर्देश दिया गया था। रहमान ने कोलकाता से ढाका लौटकर विदेश मंत्रालय के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की और उनके साथ कोलकाता की स्थिति पर चर्चा की। गौरतलब है कि सोमवार को हिंदू संघर्ष समिति सहित कई हिंदुत्व संगठनों के समर्थकों ने बंगलादेश में गिरफ्तार हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग की और बंगलादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में अगरतला बंगलादेश के सहायक उच्चायोग पर हमला किया था।

मेक्सिको ने डोनाल्ड ट्रंप के निर्वासन अभियान का सामना करने के लिए कमर कसी

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको ने संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्वासन अभियान का सामना करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि वह इस मुद्दे पर मेक्सिको के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों के राज्यपालों से मिलकर एक समझौते पर पहुंचने की योजना बना रही हैं। मेक्सिको न्यूज डेली समाचार पत्र के अनुसार शीनबाम ने कहा कि अमेरिका में उनके देश के लाखों नागरिक रहते हैं। एक साथ निर्वासन होने पर बड़ा सवाल यह होगा कि उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए। मैक्सिको के अधिकारियों ने अकले मंगलवार को 5,000 से अधिक प्रवासियों को हिरासत में लिया है। संघीय सरकार ने बुधवार को कहा कि अधिकारियों ने 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होने से पहले ही उत्तरी सीमा पर प्रवासी प्रवाह पर रोक लगाने

लगे हैं।उन्होंने कहा कि आप कह सकते हैं कि मेक्सिको ने कमर कसनी शुरू कर दी है। व्हाइट हाउस में अपनी वापसी से पहले ट्रंप सभी मैक्सिकन निर्यातों पर 25 फीसद टैरिफ लगाने की चेतावनी दे चुके हैं। वह अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का भी वादा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति निश्चिततौर पर अपने वादे को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि वह भी संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अप्रवासी के रूप में रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के गवर्नर अगले सप्ताह अकापुल्को में संघीय अधिकारियों के साथ एक सुरक्षा बैठक में हिस्सा लेंगे। बैठक में मेक्सिको के छह उत्तरी सीमावर्ती राज्यों-बाजा कैलिफोर्निया, सोनोरा, चिहुआहुआ, कोहुइला, नुएवो लियोन और तमाउलिपास के गवर्नर ट्रंप की सामूहिक निर्वासन योजना पर चर्चा करेंगे।

हमारी चिंता यह है कि हमारे ऊपर दूसरे देशों के नागरिक न थोपे जाएं। इससे पहले मेक्सिको की पर्यावरण मंत्री एलिसिया बार्सेना ने फरवरी में कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 5.3 मिलियन अनिर्दिष्ट मैक्सिकन लोग रहते हैं। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह अपनी प्रस्तावित सामूहिक निर्वासन योजना को पूरा करने के लिए अमेरिकी सेना का भी उपयोग कर सकते हैं।

पीटीआई नेता उमर अयूब और राजा बशारत को रिहा करने का आदेश

एजेंसी

इस्लामाबाद। आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं उमर अयूब और राजा बशारत को बड़ी राहत देते हुए रिहा करने का आदेश दिया है। एटीसी ने पेशावर हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद दोनों की गिरफ्तारी की आलोचना भी की है। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों नेताओं को आज एटीसी के समक्ष पेश किया। एटीसी ने उनकी हिरासत पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सवाल किया, जब हाई कोर्ट ने पहले ही उनकी जमानत मंजूर कर ली थी तो उन्हें गिरफ्तार क्यों किया गया? इसके बाद एटीसी ने उमर अयूब और राजा बशारत को रिहा करने का आदेश दिया है।

रावलपिंडी पुलिस ने अयूब, बशारत और अहमद चट्ठा को रावलपिंडी में सेना के जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) पर हमले के मामले में पीटीआई संस्थापक समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ आरोप दायर करने के बाद अदियाला जेल के बाहर गिरफ्तार किया था। पीटीआई के संस्थापक इमरान खान को 9 मई, 2023 को इस्लामाबाद हाई कोर्ट परिसर से गिरफ्तार किया

गया था। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन और दंगे भड़क उठे थे। पीटीआई प्रदर्शनकारियों ने जीएचक्यू, लाहौर के जिन्ना हाउस, मियांवाली एयरबेस और अन्य सहित कई नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था।

विद्रोही बलों से गंवाए क्षेत्र वापिस लेने को सेना रहे तैयार: सीरियाई रक्षा मंत्री

एजेंसी

दमिश्क । सीरिया के रक्षा मंत्री ने विद्रोही बलों से खोए हुए क्षेत्रों को वापस लेने के लिए सेना को तैयार रहने को कहा है।उन्होंने केंद्रीय शहर हामा से सेना की वापसी को एक 'रणनीति' बताया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अली महमूद अब्बास ने गुरुवार रात को विद्रोही समूहों के खिलाफ चल रही लड़ाई पर एक बयान दिया।अब्बास ने कहा, हमने सबसे चरमपंथी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ भयंकर और निरंतर लड़ाई लड़ी है, जो गुरिल्ला रणनीति अपनाते हैं। इसके लिए हमारे सशस्त्र बलों को उचित रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें आगे बढ़ना, पीछे हटना और फिर से तैनात होना शामिल है। मंत्री ने वर्तमान स्थिति को अच्छा बताया। इसमें कहा गया कि हामा के बाहर हाल ही में बलों की फिर से तैनाती नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक उपाय था।उन्होंने आश्वासन दिया, यह एक अस्थायी उपाय है। हमारे बल हामा के बाहरी इलाकों में बने हुए हैं, अपने राष्ट्रीय और संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।÷ उन्होंने दोहराया कि सेना की कार्रवाई लंबे समय तक स्थिरता सुनिश्चित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा थी। अब्बास ने विद्रोही समूहों पर सेना की वापसी के दौरान अराजकता पैदा करने के उद्देश्य से गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने निवासियों से आधिकारिक चैनलों के माध्यम से प्रसारित जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की।

चीन के साथ बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर का नेपाल के दो पूर्व विदेश मंत्रियों ने किया विरोध

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने को लेकर सत्तारूढ़ दल के भीतर से ही असंतुष्टि के स्वर उठने लगे हैं। प्रधानमंत्री ओली की सरकार को समर्थन कर रहे नेपाली कांग्रेस के दो प्रमुख नेताओं ने इस समझौते का विरोध किया है। यह दोनों नेता पूर्व की सरकारों में विदेश मंत्री रह चुके हैं।

नेपाली कांग्रेस के नेता तथा प्रचंड सरकार में विदेश मंत्री रहे एनपी साउद ने कहा है कि पार्टी के निर्णय के विपरीत जाकर यह समझौता करना गलत है। उन्होंने कहा कि जब चीन के साथ ऋण लेकर बीआरआई पर कोई समझौता न करने का निर्णय लिया गया था, तब कैसे ऋण के साथ समझौता

किया गया। कांग्रेसी नेता ने कहा कि इस बारे में पार्टी में गंभीर रूप से चर्चा किए जाने की आवश्यकता है। साउद ने यह भी कहा कि चीन के साथ ऋण में समझौता करने से नेपाल के अपने अन्य मित्र राष्ट्रों के साथ संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। इसी तरह नेपाली कांग्रेस के एक अन्य नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री प्रकाश शरण महत ने कहा कि न सिर्फ पार्टी के भीतर, बल्कि गठबंधन में भी यह आधिकारिक निर्णय लिया गया था कि बीआरआई में चीन से ऋण लेकर कोई परियोजना नहीं बनानी है, लेकिन जिस तरह की खबरें आ रही है उसमें चीन ने अनुदान शब्द को हटाकर फाइनेंशियल असिस्टेंट रखा है, जिसका मतलब ही है कि ऋण लेने का रास्ता खुल गया है। महत ने कहा कि यदि ऐसा है तो यह चिंता की बात है। अगर प्रधानमंत्री ने इस तरह का समझौता पर हस्ताक्षर किये हैं तो यह गठबंधन को धोखा देने जैसा है।

चीन भ्रमण से लौटे नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने कहा- अब भारत जाने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चार दिनों के चीन भ्रमण से लौटते ही भारत जाने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने चीन के साथ बेल्ट एंड रोड परियोजना के लिए कोई ऋण समझौता नहीं करने पर सफाई भी दी है

चीन भ्रमण से लौटे प्रधानमंत्री ओली ने काठमांडू विमानस्थल पर पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उनका चीन भ्रमण बहुत ही सफल रहा और उनका अगला भ्रमण भारत का होने जा रहा है। ओली ने बताया कि भारत दौरे की तैयारी चल रही है। एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि दिल्ली भ्रमण की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। चीन दौरे से भारत के नाराज होने की बात पर उन्होंने कहा कि इस तरह की कोई बात मेरी जानकारी में नहीं है। मीडिया में आई बातों को कोई खास महत्व नहीं दिए जाने बात कहते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि

वहां की मीडिया मेरे खिलाफ पहले से है।

चीन के साथ हुए बीआरआई समझौते को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि चीन के साथ किसी भी प्रकार का ऋण लेने का कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अभी सिर्फ नेपाल में बीआरआई समझौते के क्रियान्वयन का समझौता हुआ है। उसके अंतर्गत किस तरह की सहायता ली जाएगी, उसको लेकर बाद में एक-एक परियोजना पर अलग से समझौता किया जाएगा।

नामीबिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने एकता, प्रगति, जवाबदेही का भरोसा दिलाया

एजेंसी

विंडहोक । नामीबिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने ऐतिहासिक चुनाव जीतने के बाद 'साउथ वेस्ट अफ्रीका पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन' (एसडब्ल्यूएपीओ) पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नामीबिया की सत्तारूढ़ पार्टी 'एसडब्ल्यूएपीओ' ने हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रपति और राष्ट्रीय चुनावों में जीत हासिल की। देश की राजधानी विंडहोक में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए, नंदी-नदैतवा ने चुनावों के महत्व को रेखांकित किया, उन्होंने उच्च मतदाता वोटिंग और नामीबियाई लोगों की शांतिपूर्ण, अनुशासित भागीदारी को देश की लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी एक ऐतिहासिक चुनाव संपन्न किया है, जिसकी विशेषता राजनीतिक सहिष्णुता, लचीलापन और लोकतंत्र के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता है। नंदी-नदैतवा ने नामीबियाई लोगों, विशेष रूप से युवाओं के योगदान को स्वीकार

किया। उन्होंने एसडब्ल्यूएपीओ को शासन करने का जनादेश दिया और उन पर किए गए भरोसे का सम्मान करने की पार्टी की जिम्मेदारी को दोहराया। निर्वाचित राष्ट्रपति ने शासन के लिए अपना दृष्टिकोण शेयर किया, जिसमें समावेशिता, अखंडता और जवाबदेही पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा, ÷जैसा कि हम अगले पांच वर्षों के लिए नामीबिया पर शासन करने के कार्य की तैयारी कर रहे हैं, मुझे एसडब्ल्यूएपीओ के नेतृत्व में सभी वर्गों, शाखाओं, जिलों और क्षेत्रों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी को याद दिलाना है कि वे हमारे लोगों में एसडब्ल्यूएपीओ के प्रति प्रेम को फिर से जगाने के लिए कड़ी मेहनत करे। उनके अनुसार, एसडब्ल्यूएपीओ की ताकत नामीबिया के लोगों में निहित है और उनके विश्वास को खत्म नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, पात्र मतदाताओं में से अधिकांश युवा थे।

कैलिफोर्निया में शक्तिशाली भूकंप, तीव्रता-7.0, हिल गए लोग, सुनामी की चेतावनी वापस

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में गुरुवार सुबह भूकंप का जोरदार झटका महसूस किया गया। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 रही। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की। हालांकि इसे एक घंटे बाद वापस ले लिया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, भूकंप के तेज झटके कैलिफोर्निया तट से 30 मील दूर एक महसूस किए गए। इसके बाद पांच लाख से अधिक सेलफोन पर आपातकालीन सुनामी अलर्ट जारी किया गया। भूकंप के केंद्र के निकटतम ग्रामीण इलाके में किराने की दुकानों के फर्श पर डिब्बे और बोतलें बिखर गईं।अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 7.0 रहने के बावजूद कम नुकसान हुआ। इसकी वजह इसका केंद्र सैन फ्रांसिस्को खाड़ी से 200 मील उत्तर में प्रशांत महासागर में

सुदूरवर्ती क्षेत्र में होना है। भूकंप के केंद्र पेट्रोलिया में एक जनरल स्टोर के क्लर्क 73 वर्षीय मार्गिट कुक ने कहा कि 53 वर्ष में उसने पहली बार इतने जोर के झटके महसूस किए। बड़ा रेफ्रिजरेटर तो रसोई के फर्श पर ही लुढ़क गया। साइट पॉवरआउटेज डॉटकॉम यूएस के अनुसार, भूकंप की वजह से हम्बोल्ट काउंटी में 10,000 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई। शुरुआती भूकंप के बाद पूरे उत्तरी कैलिफोर्निया तट पर एक दर्जन से अधिक झटके आए।इससे पहले 1989 में उत्तरी कैलिफोर्निया में विनाशकारी भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 6.9 थी और इसमें 63 लोगों की मौत हो गई थी और 3,700 से अधिक लोग घायल हो गए थे। दक्षिणी कैलिफोर्निया में 1994 में लॉस एंजिल्स के नॉर्थिज पड़ोस में आए भूकंप में 60 लोग मारे गए थे और लगभग 7,000 लोग घायल हुए थे। 40,000 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

भूकंप प्रशांत समयानुसार सुबह 10:44 बजे उस क्षेत्र में आया, जिसे भूकंपविज्ञानी मेंडोकिनो ट्रिपल जंक्शन कहते हैं, जो तीन प्रमुख प्लेटों का एक टेक्टोनिक मिलन बिंदु है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्राकृतिक खतरों के अनुसंधान के पूर्व प्रमुख लुसी जोन्स के अनुसार, प्लेटों की परस्पर क्रिया बड़ी संख्या में भूकंप का कारण बनती है। डॉ. जोन्स ने कहा कि इतनी ही ताकत वाला भूकंप कैलिफोर्निया के अत्यधिक आबादी वाले क्षेत्रों के लिए विनाशकारी होगा। यह भूकंप एक प्रकार से स्ट्राइक स्लिप था।

सीरिया में विद्रोह के बीच हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों का हामा के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में विद्रोह के बीच अब अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने हामा गवर्नरेट के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से में नियंत्रण कर लिया। इससे पहले लड़ाके सीरिया के महत्वपूर्ण अलेप्पो गवर्नरेट और इदलिब पर नियंत्रण की घोषणा कर चुके हैं।अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने कई स्थानों पर सरकारी सुरक्षा बलों को पीछे लौटने पर विवश कर दिया। हामा मध्य सीरिया का रणनीतिक शहर है। यह अलेप्पो को दमिश्क से जोड़ता है। इसका क्षेत्रफल अनुमानित 9,000 वर्ग किलोमीटर है। इसके पतन का मतलब है कि सीरिया एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र हयात तहरीर अल-शाम के नियंत्रण में आ जाएगा। एक स्थानीय सूत्र ने 963+ को बताया कि लड़ाकों और सशस्त्र विपक्षी गुटों ने उत्तरी और पूर्वी हामा

ग्रामीण इलाकों के दर्जनों गांवों पर नियंत्रण कर लिया है। अब उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी हामा पर नियंत्रण के लिए संघर्ष चल रहा है। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि सीरिया के सरकारी बलों के जवाबी हमले के बाद हामा शहर के पास माउंट जैन अल-अबिदीन को लड़ाकों से मुक्त करा लिया गया।अम्मान के सैन्य और रणनीतिक विशेषज्ञ निदाल अबू जैद का कहना है कि हामा पर नियंत्रण के बाद राजधानी दमिश्क एक तरह से घिर जाएगी। इस बीच उत्तरी सीरिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए इराक ने सीरिया के साथ अपनी सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी है।

बंगलादेशी नोट पर से हटायी गयी संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर

ढाका। बंगलादेश बैंक ने जुलाई-अगस्त के विद्रोह से प्रेरित नए डिजाइन वाले नोट छापना शुरू कर दिया है और नोटों पर से देश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर हटा दी गई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार सेना समर्थित अंतरिम सरकार के आदेश पर 20, 100, 500 और 1000 रुपये के नोट नए डिजाइन के साथ छापे जा रहे हैं। डेली सन की रिपोर्ट के अनुसार नए नोट अगले छह महीनों के भीतर बाजार में जारी किए जाने की उम्मीद है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हामा पर फतह कर विद्रोही दमिश्क की ओर बढ़े, चीन ने अपने नागरिकों को तत्काल सीरिया छोड़ने कहा

एजेंसी

दमश्कि। सीरिया के सूरत-ए-हाल और बिगड़ गए। अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों (विद्रोहियों) ने मुल्क के अलेप्पो और हामा पर फतह कर राजधानी दमिश्क की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया है। इस बीच चीन ने अपने नागरिकों से तत्काल सीरिया छोड़ने को कहा है। हामा पर विद्रोहियों के नियंत्रण को राष्ट्रपति बशर अल-असद के बड़ा झटका माना जा रहा है। सरकारी बल पीछे हटेअमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीरिया की अरबी समाचार वेबसाइट+963 ने अपनी खबरों में सीरिया की वर्तमान स्थिति को व्यापक महत्व दिया है। खबरों में कहा गया कि सीरिया के सरकारी बल हामा पर टिक नहीं पाए। लड़ाकों से घबराकर वह पीछे हट गए। इसके बाद लड़ाकों ने हामा पर चारों तरफ से हमला बोलकर बाजी पलट दी। इस हालात ने सीरिया में शरणार्थी संकट पैदा कर दिया है।

रूस और ईरान हतप्रभहामा पर नियंत्रण को हयात तहरीर अल-शाम बड़ी जीत मान रहा है। अब आतंकी समूह के नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी ने लड़ाकों से राजधानी दमिश्क और अन्य शहरों की ओर बढ़ने का आह्वान किया। संकट का सामना कर रहे राष्ट्रपति बशर अल-असद के सहयोगी रूस और ईरान बदली स्थितियों से हतप्रभ हैं। हामा से सरकारी बलों के पीछे हटने की विद्रोहियों और सरकार दोनों ने पुष्टि की है। हामा 1982 में देख चुका है कत्ल-ए-आमअपने लड़ाकों और अन्य विद्रोहियों का नेतृत्व कर रहे अबू मोहम्मद अल-जोलानी के एक कथित वीडियो संदेश में कहा गया कि यह ईश्वर की इच्छा से सभी की जीत है। दरअसल लड़ाकों के लिए हामा फतह इसलिए खास है कि सीरिया का यह शहर 1982 में नरसंहार देख चुका है। इस साल राष्ट्रपति के पिता और पूर्ववर्ती हाफिज अल-असद के वफादार सुरक्षा बलों ने मुस्लिम ब्रदरहुड के नेतृत्व में सरकार विरोधी विद्रोह के दौरान हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। विद्रोहियों का पुलिस कमांड मुख्यालय, एक हवाई अड्डे और केंद्रीय जेल पर कब्जा इस बीच सीरीयाई सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि उसकी सेना ने विद्रोहियों को पीछे हटाने के लिए कई दिनों तक लड़ाई लड़ी। इस दौरान दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए। विद्रोही हामा में घुस आए। इसलिए सेना शहर के अंदर लड़ाई से बचने के लिए पीछे हट गई। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि विद्रोहियों ने पुलिस कमांड मुख्यालय, एक हवाई अड्डे और केंद्रीय जेल पर कब्जा कर लिया। जेल से सैकड़ों लोगों को मुक्त करा दिया। सीरिया का भविष्य...सीरिया के बिगड़ते हालात पर राजधानी दमिश्क में चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि समग्र सुरक्षा स्थिति और बिगड़ रही है। इसलिए चीनी नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। सीरिया के प्रमुख प्रांतों पर फहत के बाद हयात तहरीर अल-शाम ने दमिश्क में स्थित अरब और विदेशी दूतावासों को एक उदारवादी पत्र भेजा है। इसमें जोर देकर कहा गया कि भविष्य के सीरिया के लिए उसका दृष्टिकोण बातचीत पर आधारित एक राज्य है।

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, राहुल गांधी को बताया देशद्रोही

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली के कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी को देशद्रोही कहने में कोई संकोच नहीं है। वह देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि जॉर्ज सोरोस ओपेन सोसाइटी को फंडिंग करते है। ये देश के खिलाफ प्रोपगेंडा चलाते हैं। यह मुद्दा गंभीर हैं। देश की एकता और संप्रभुता का मुद्दा है। कुछ ताकतें भारत को तोडना चाहती हैं। फ्रेंच न्यूज पेपर मीडिया ने इसका कुछ खुलासा किया है। राहुल गांधी भी जॉर्ज सोरोस से मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस के भारत को अस्थिर करने के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक फ्रांसीसी अखबार ने 2 दिसंबर को एक रिपोर्ट प्रकाशित की। फ्रेंच अखबार की इस रिपोर्ट का शीर्षक था, 'द हिडन लिंक्स बिटवीन अ जाइंट ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म एंड द यूएस गवर्नमेंट'। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि जॉर्ज सोरोस ने ओसीसीआरपी को फंड किया था। संबित पात्रा ने कहा कि अगर ओसीसीआरपी को तकलीफ होती है, तो राहुल गांधी रोते हैं। अगर राहुल गांधी रोते हैं, तो ओसीसीआरपी को तकलीफ होती है। ये दो शरीर लेकिन एक आत्मा है।

प्रधानमंत्री मोदी और भूटान नरेश ने की द्विपक्षीय बैठक, संबंधों की लगातार मजबूती को लेकर जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत-भूटान के बीच साझेदारी लगातार मजबूत करने को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने सात लोक कल्याण मार्ग स्थित सरकारी आवास पर भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और रानी जेत्सुन पेमा वांगचुक का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए इसी वर्ष मार्च में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान भूटान की सरकार और लोगों द्वारा दिए गए असाधारण गर्मजोशी भरे आतिथ्य को याद किया।प्रधानमंत्री मोदी और भूटान नरेश ने द्विपक्षीय संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने दोनों

देशों के बीच आर्थिक संपर्क बढ़ाने में हुई प्रगति की समीक्षा की तथा गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी पहल पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जो महामहिम द्वारा संचालित एक दूरदर्शी परियोजना है। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान में आर्थिक विकास को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा भूटान के विकास को गति देने तथा भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए 13वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए भूटान को भारत द्वारा दिए जाने वाले विकास सहयोग को दोगुना करने पर प्रकाश डाला। भूटान नरेश ने भूटान की खुशहाली, प्रगति और समृद्धि की आकांक्षाओं के लिए दृढ़ समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान नरेश और रानी के सम्मान में मध्याह्न भोज का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। आज सुबह नई दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर को नमन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सुबह संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक बाबासाहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का पुण्य स्मरण किया। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने एक्स हैंडल पर बाबा साहेब को महापरिनिर्वाण दिवस पर नमन किया।प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम हमारे संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर को नमन करते हैं। 'उन्होंने कहा कि समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. आम्बेडकर की अथक लड़ाई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। आज, जब हम उनके योगदान को याद करते हैं, तो हम उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। उन्होंने लिखा, 'इस वर्ष की शुरुआत में मुंबई में चैत्य भूमि की

अपनी यात्रा की एक तस्वीर भी साझा कर रहा हूं। जय भीम।' भाजपा ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कोटि-कोटि नमन।'

जनहित के मुद्दों पर सरकार ने नहीं होने दी विधानसभा सत्र में चर्चाः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को संपन्न हुए सातवें विधानसभा के अंतिम सत्र में विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा विपक्षी विधायकों को जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी गई। चर्चा की मांग करने वाले भाजपा विधायकों को मार्शलों द्वारा सदन से बाहर कर दिया गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा सत्र में विपक्ष केजरीवाल के शीश महल पर खर्च किए गए करोड़ों रुपये पर सरकार का जवाब जानना चाहता था लेकिन इसकी मांग करने पर नेता प्रतिपक्ष का माइक ही बंद कर दिया गया। इसी तरह कैग की 14 रिपोर्ट्स को सदन में प्रस्तुत करने, दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी को स्कूल इमारत के चार कमरों में चलाने जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष सदन में चर्चा करवा कर दिल्ली सरकार से जवाब मांगना चाहता था लेकिन सत्ता पक्ष के विधायकों द्वारा हल्ला मचाकर सत्र को स्थगित करवा दिया गया। संवाददाता सम्मेलन में भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, अभय वर्मा और प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता यासिर जिलानी भी उपस्थित थे।

दिल्ली एनसीआर से हटाई गई ग्रैप -4 और ग्रैप 3 की पाबंदियां, सीएक्यूएम ने लिया फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रदूषण और वायु गुणवत्ता में सुधार के बाद दिल्ली - एनसीआर में लागू ग्रेडेड एक्शन प्लान(ग्रैप) 3- और ग्रैप4 की लागू पांबदियों को तुरंत प्रभाव से हटा लिया गया है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के शाम चार बजे के बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 165 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उपसमिति की बैठक में ग्रेडेड एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण 3 और 4 की पाबंदियों को तुरंत हटाने का फैसला लिया गया। बैठक के बाद सीएक्यूएएम ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज अपनी सुनवाई में प्रस्तुत वायु गुणवत्ता डेटा के आधार पर अन्य बातों के साथ आयोग को ग्रैप के चरण-4 और 3 को रद्द करने की अनुमति दी है लेकिन ग्रैप एक और दो को जारी रखने को कहा है। सीएक्यूएम ने कोर्ट के फैसले के

अनुसार एनसीआर में ग्रैप के चरण-4 और चरण-3 को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। हालांकि ग्रैप चरण II और ग्रैप ढ्ढ पूरे एनसीआर में लागू रहेंगे। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बुधवार और सुधार हुआ। आज वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 165 यानी 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार वायु गुणवत्ता डाटा दर्ज करने वाले 38 निगरानी केंद्रों में से केवल छह केंद्रों ने एक्यूआई का स्तर 'खराब' श्रेणी में होने की सूचना दी।

उल्लेखनीय है कि वायु गुणवत्ता का स्तर शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

सफदरजंग अस्पताल में देश के पहले समर्पित बाल चिकित्सा एंडोस्कोपी केन्द्र की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल (एसजेएच) में एक अत्याधुनिक समर्पित पीडियाट्रिक एंडोस्कोपी सूट और 10-बिस्तर वाले डे केयर विभाग की शुरुआत की गई है। इस केन्द्र में बच्चे के गले में सिक्के और कोई भी चीजे फंसने के स्थिति में यह केन्द्र उसका उपचार करेगा। यह केन्द्र गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और हेपेटोलॉजी विकारों वाले बच्चों के लिए नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करेगा। यह सुविधा निःशुल्क है, जो समय से पहले जन्मे बच्चों सहित 18 वर्ष तक के बच्चों को सेवा प्रदान करेगी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ) संदीप बंसल ने बताया कि सफदरजंग अस्पताल में डेकेयर सुविधा के साथ एक बाल चिकित्सा

एंडोस्कोपी इकाई स्थापित की गई है। यह अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह सुविधा नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं, यानी नैदानिक और उपचार सेवाएं, दोनों एक ही स्थान पर प्रदान करती है, जो भारत सरकार द्वारा पहली बार प्रदान की जा रही है, खासकर उन बच्चों के लिए जो बहुत छोटे हैं।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू करने के लिए भाजपा नेताओं ने शुरू किया अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू न होने देने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आआपा) की कड़ी आलोचना की है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज प्रेसवार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान दिल्ली को छोड़कर अन्य राज्यों में लागू है। दूसरे राज्यों में 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों व गरीबों को पांच लाख तक के उपचार का लाभ मिल रहा है। इस प्रेस वार्ता में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। इस दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि वह दिल्लीवासियों को इस बेहतरीन चिकित्सा सेवा सुविधा से वंचित रख रहे हैं। भाजपा इसे दिल्ली में लागू कराना चाहती है। इसके लिए भाजपा सांसद अदालत गए हैं। अदालत ने इसे लेकर दिल्ली सरकार के विरुद्ध टिप्पणी की है कि वह केंद्र की इस स्वास्थ्य योजना का लाभ क्यों नहीं दे रही है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू न करके आम आदमी पार्टी ने राजनीति के निचले स्तर को दिखाया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना प्रधानमंत्री की एक ऐसी योजना है, जिससे देश के करोड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है। दुर्भाग्य से दिल्ली में आम आदमी पार्टी इस योजना को लागू नहीं होने दे रही है।

केबल चोरी से ब्लू लाइन पर मेट्रो ट्रेन सेवा हुई प्रभावित, रिकॉर्ड समय में की गई मरम्मत

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह-सुबह महत्वपूर्ण सिग्नलिंग केबल की चोरी के कारण प्रभावित हुईं। इससे यात्रियों को काफी असुविधा हुई। हालांकि दिल्ली मेट्रो के प्रभावित खंडों की मरम्मत रिकॉर्ड समय में की गई और दोपहर को सेवाएं सामान्य हो गईं। ब्लू लाइन द्वारका को वैशाली और नोएडा सिटी सेंटर से जोड़ती है। सुबह 8 बजे दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने यात्रियों को घटना के बारे में सूचित किया और बाद में अपडेट किया कि दोपहर 1:38 बजे से सामान्य सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। हालांकि, इस पर राजनीति भी हुई और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अमित शाह जी, दिल्ली में क्या हो रहा है? दिल्ली मेट्रो की केबल चोरी हो गई है। कुछ भी सुरक्षित नहीं है। कुछ करें। डीएमआरसी ने एक्स एक पोस्ट में जानकारी देते हुए लिखा, प्रभावित खंड पर सिग्नलिंग केबल को बहाल करने का आवश्यक कार्य पूरा हो गया है और दोपहर 1:38 बजे से सेवाएं सामान्य हो गई हैं।

आपराधिक घटनाओं का असर बच्चों पर पड़ रहा, ये बहुत चिंताजनक विषय है: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी आज वसन्त विहार चिन्मया स्कूल में 6ठी क्लास में पढ़ने वाले उस 12 वर्ष के प्रिंस के घर गईं, जिसकी मौत स्कूल में दो दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। मुख्यमंत्री ने परिवार के साथ लगभग 20 मिनट समय बिताया और उन्हें ढाढ़स बंधाया। आतिशी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग की एक टीम स्कूल में जाकर जांच करेगी। साथ ही इलाके के एसडीएम भी इस घटना कि जांच करेंगे कि हादसा कैसे हुआ? अगर बच्चों में लड़ाई हुई तो टीचर कहां थी? सभी सीसीटीवी की जांच की जाएगी। साथ हीं अस्पताल पहुंचाने में कितना समय लगा, क्या उपचार दिया गया, इन सभी की भी जांच की जाएगी और अगर इसमें कोई भी लापरवाही सामने आएगी तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाया जायेगा।

हर रेलवे जोन में आईटीएमएस मशीनें तैनात की जाएंगी : रेल मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे में उन्नत प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि अब हर रेलवे जोन में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) मशीनें तैनात की जाएंगी। रेल मंत्री वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और सड़क सह रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये मशीनें नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाएंगी। उन्होंने कहा कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। उन्होंने ट्रैक रखरखाव के लिए जिम्मेदार कर्मियों, ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास सटीक, वास्तविक समय

के डेटा तक पहुंच होगी, जिससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा। रेलवे ट्रैक सिस्टम पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि करीब 2-2.5 साल पहले रेलवे में तीन और आईटीएमएस मशीनें लगाई गई थीं। ये मशीनें रेलवे ट्रैक का सटीक माप देती हैं। ऐसी मशीनें अब हर रेलवे जोन में लगाई जाएंगी। ट्रैक माप प्रोटोकॉल को और अधिक बार ट्रैक माप करने के लिए संशोधित किया जाएगा। रेल सह सड़क वाहन (आरआरवी) के साथ ट्रैकमैन और कीमैन के कामकाज और सुरक्षा में सुधार होगा। आने वाले 5 वर्षों में यह रेलवे के आधुनिकीकरण में बहुत बड़ा कारक होगा। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा और रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे और आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

भारत को सामाजिक सुरक्षा कदमों के लिए वैश्विक पुरस्कार मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने घोषणा की कि भारत को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए 2024 के अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) गुड प्रैक्टिस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सऊदी अरब के रियाद में क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में आईएसएसए के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अज़्मान द्वारा प्रदान किया गया।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को संचार चैनल, ई-कार्यवाहीः न्याय प्रदान करने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग, व्यापक जिला आउटरीच कार्यक्रम (निधि आपके निकट), बहुभाषी कॉल सेंटर और प्रयास पहल के लिए पांच योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। ईपीएफओ की ओर से ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने ये पुरस्कार प्राप्त किए। ईपीएफओ ने सामाजिक सुरक्षा प्रशासन द्वारा संचार पर आईएसएसए दिशा-निर्देशों को अपनाया है और हितधारकों के साथ प्रभावी और कुशलतापूर्वक संवाद करने के लिए एक संचार रूपरेखा दस्तावेज़

(सीएफडी) तैयार करके इसे लागू किया है। कुशल और समय पर संचार के लिए डिजिटल और गैर-डिजिटल संचार रणनीति अपनाई जा रही है।

NAME CHANGE
I, RANJANA is legally spouse of No. 2801810H Rank-SEP Name-GAWADE KISHOR MAHADEV Ro VILL-AMBOLI, POST- AMBOLI, TEH-SAWANTWADI, DIST- SINDHUDURG, PIN-416510, have changed my name from RANJANA to RANJANA KISHOR GAWADE for all future purposes. Vide affidavit dated 28.11.2024. before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, SALEEM KHAN is Father of No. 6505768M Rank-NK Name-YAKUB ALIR/O VILL-SISTA. POST-BAS AMRU, TEH-SADABAD, DIST-HATHRAS, STATE UTTAR PRADESH PIN 283106,have changed my name from SALEEM KHAN to SALIM KHAN date of birth from 25/12/1967 to 01/01/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 04.12.2024. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD RASHID S/O MOHAMMAD SUKHARI residence of M-62A, GROUND FLOOR, ABUL FAZAL ENCLAVE, JAMIA NAGAR,OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to MOHD RASHID for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I,Rupma Tigga D/O Patrik Tigga R/O A-141 S/F KH No-12/25 Qutub Vihar PH-1, ,, DC Goyla, South West Delhi, Delhi-110071, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Deepanshi aged 11 years in her school record, the actual name of my minor daughter is Deepanshi Tigga.

NAME CHANGE
I, SITARA is Mother of No. 6505768M Rank- NK Name- YAKUB ALI RO VILL-SISTA, POST-BAS AMRU, TEH-SADABAD, DIST-HATHRAS, STATE UTTAR PRADESH PIN-283106, have changed my date of birth from 11/4/1971 to 25/6/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 04.12.2024. before Public Notary Delhi

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं एजाज अहमद पुत्र जमालुद्दीन R/o T-134/3, बेगमपुर, नियर गुरुद्वारा, मालवीय नगर, नई दिल्ली- 110017, घोषणा करता हूं कि जावेद पुत्र लल्लू खान अपने आईडी में हमारे पिता जमालुद्दीन का नाम इस्तेमाल कर रहा है, जो कि गैर कानूनी और अनुचित है। अगर यह भविष्य में किसी भी कार्य के लिए मेरे पिता जमालुद्दीन का नाम इस्तेमाल करते हैं तो वह अवैध माना जाए।

NAME CHANGE
I, SYED NASIRUDDIN NIZAMI S/O SYED MOHD MIAN NIZAMI R/O H. No. 147A, MM MANZIL, BASTI HAZRAT NIZAMIDDIN, NEW DELHI-110013, have changed my name from SYED NASEERUDDIN NIZAMI TO SYED NASIRUDDIN NIZAMI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AZRA BANO W/o ZULFIQAR ALI R/o 4589, GALI SHEESH MAHAL, GALI SHAHTARA AJMERI GATE DELHI-110006 have changed my name from AZRA to AZRA BANO for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LAXMAN SONI S/O JAY NARAYAN PRASAD residence of A-203, TEKHAND VILLAGE, ALLA MOHALLA, OKHLA PHASE-2, OKHLA INDUSTRIAL AREA, DELHI-110020 have changed my name to LAXMAN PRASAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-473425P, Rank-NB/SUB Name-ABDHESH SINGH TOMAR R/O VPO-KONTHER KALAN, TEH-PORSA, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476115, have changed my wife's name from MEENU RAJAWAT to MEENU TOMAR for all future purposes vide Affidavit dated 06/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ARUN KUMAR GOYAL S/O JAGDISH PRASAD residence of KF-100, KAVI NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201002 have changed my name to ARUN KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DURGESH S/O LAL SINGH residing at HOUSE NO- 54/55 STREET NO-12 GUPTA ENCLAVE UTTAM NAGAR DELHI-110059, have changed my name to DURGESH SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHASHANT, S/o Shri . Sanjay Singh, R/o, House no 17, village Asola, fatehpur Beri, south delhi 110074, Have change my name to SHASHANT CHOUDHARY for all future purposes

NAME CHANGE
I, RAMASAMY Father of No-16120482Y Rank-NK Name-ELLAPPAN R Presently residing at 3/523, BHARATHIPURAM, EMMDINAYAKANAPALLI, CHENNAPALLI, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635117, have changed my name from RAMASAMY to RAMASWAMY K for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/06/1965 instead of my correct date of birth as 02/06/1964 vide Affidavit dated 06/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOUMITA MITRA D/O KARUNA SINDHU MITRA R/O H NO 1176A/12, THIRD FLOOR, GALI NO 12, GOVINDPURI, KALKAJI, DELHI - 110019, have changed my name from MOUMITA STHANAPATI TO MOUMITA MITRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RADHA DEVI BAJAJ W/O GANESH MAL BAJAJ R/O CGL-083 DLF MOTI NAGAR 15, SHIVAJI MARG, KARAM PURA INDUSTRIAL AREA, MOTI NAGAR, KARAM PURA, RAMESH NAGAR, DELHI - 110015, have changed my name from RADHA BAJAJ TO RADHA DEVI BAJAJ for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Mr. Indranand Jha is purchasing Pvt. Flat No.101 on First Floor, without its roof rights, Built up on Property Bearing No.RZ-34-D/2, admeasuring 87.5 sq. yards out of Khasra No.68/19/3/1 & 3/2 (Part of 68/19/3) & 68/24, Situated at Vilage- Palam, abadi known as Raj Nagar, Palam Colony, Delhi from Mr. Manprit Singh Saggu who is the owner of the property vide Sale Deed dated 09.06.2015 Registered as doc no. 5991** Further **Mr. Indranand Jha** will be taking financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

PUBLIC NOTICE
My clients Shri Jaspal Singh S/O Nihang Singh and Smt. Jasbir Kaur W/O Shri Jaspal Singh both resident of Khasra No. 27/15 Min, Near Mauzi Ram Hospital, Palla Road, Akbarpur Mazra Delhi -36, have disown their son Gurmeet Singh and his wife Smt. Preeti both resident of Khasra No. 27/15, Min, Near Mauzi Ram Hospital, Palla Road, Akbarpur Mazra Delhi -36, from their moveable and immovable properties held jointly and/or solely/individually and severe all relations with them w.e.f. 05-12-24. My clients shall not be responsible for any acts, deeds and things done by them. Any person dealing with them shall be doing so at their own risk and consequences.

J.S. MANN Advocate
CHAMBER: NO. 232,
2nd Floor Lawyers Chambers,
Rohini Court Complex, Delhi 110085

PUBLIC NOTICE
I, LALITA NENARAM CHOUDHARY D/O MR. NENARAM CHOUDHARY R/O 201, MERIGOLD, GARDEN CITY, SILVASSA, DADRA AND NAGAR HAVELI, has been wrongly written in my NEET UG Score Card my father name is mentioned as NAINARAM CHOUDHARY and my name is mentioned as LALITA NAINARAM CHOUDHARY. LALITA NAINARAM CHOUDHARY and LALITA NENARAM CHOUDHARY both names are one and the name person in my Primary Medical Qualification Certificate and in my aadhar card my father name is mentioned as NENA RAM CHOUDHARY in my passport my father name is mentioned as NENARAM LABU RAM CHOUDHARY, NAINARAM CHOUDHARY, NENA RAM CHOUDHARY & NENARAM LABU RAM CHOUDHARY all names are one and the same person.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mrs. Kamla Chadha W/o Late Mr. Suraj Prakash Chadha was the absolute Owner of Flat bearing No. SF-B on Second Floor (without roof rights), LHS Side, area measuring 53.72 Sq. Mts., Built on Plot bearing No. B-144, Out of Khasra No. 43, situated at residential colony Panchwati Colony nearby Dairy Hadbast Village Mehma Sarai alias Kot, Pargana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P.-201001. Mr. Aman Chadha S/o Late Mr. Ashok Chadha and Grand Son of Mrs. Kamla Chadha have Lost Original Sale Deed dated 19.10.2012, duly registered as Document No. 9521 on 19.10.2012, Original Death Certificate, Aadhar Card and Birth Certificate. FIR for has been done on 21.02.2015 if anybody found above mentioned deed kindly contact on- 954041900991-9540419009 within 7 days.

(Advocate Deepak Malik)
Off: -Shop no. 2, First Floor Kataria complex, Near Axis Bank, New Railway Road Gurugram-122001
Ph: 9540419009
Email - Advocatedeepak9009@gmail.com

PUBLIC NOTICE
It is for generalk information that I Santosh Sahni S/O: Jagnath Sahni, R/O A-144/A, Asha park, jail road, tilak nagar, Tilak Nagar East, West Delhi, Delhi-110018,declare that name of mine has been wrongly written as Santosh Kumar in my minor son Vivek Kumar aged 14 years in his school record, The actual name of mine is SANTOSH SAHNI. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SHASHANT, S/o Shri . Sanjay Singh, R/o, House no 17, village Asola, fatehpur Beri, south delhi 110074, Have change my name to SHASHANT CHOUDHARY for all future purposes

PUBLIC NOTICE
The general public is hereby informed that my clients namely SH. Anand Kumar Singh D.O.B. 22.04.1980, Aadhar Card No. 759351902445, S/o Sh. Ram Krishan Singh and Smt. Ravi Devi D.O.B. 01.01.1982, Aadhar Card No. 760539985217, W/o Sh. Anand Kumar Singh, both R/o C- 331,332, Bharat Vihar, Sector-15, Dwarka, Kakrola, South- West Delhi, New Delhi-110078 Presently At C/o Dinesh Chand 23-A, K.H.No-448, New Roshanpura, Near Tamator Wala Ghotam, Najafgarh, New Delhi-110043 have disowned, debarred and discarded their relationship with their real son namely SH. Sourav actual D.?.?. 04.02.1998 and Daughter-in-law SMT. Muskan Kumari D/o Sh. Sanjay Singh actual D.0.8 01.01.2006 W/o Sh.. Sourav (Both have a daughter namely Priyanshi D.O.B. 11.02.2024 Excluded) from all their movable and immovable properties and also severe all kinds of relationship with them. My clients. further inform the public in general that anybody dealing with them in any manner, shall do the same on their own risks, costs and consequences and my clients will not be responsible for any act, deed and commission or omission on their behalf.

MADHUP KUMAR ADVOCATE
OFFICE NO.158, SHANKAR PARK
OPP. SANTRAM DAIRY
KAKROLA ROAD, NAJAFGARH
NEW DELHI-110043

NAME CHANGE
, Meenakshi Shokeen W/o Anish Kumar R/o Sector-103, Daultabad (53), Gurgaon, Haryana-122006 Have Changed My Name To Meenakshi For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, RUKHSANA BEGUM W/O MOHD HABIB residence of F-245, GALI NO-10, BHAGIRATHI VIHAR, DELHI-110094 have changed my name to RUKSANA for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राजिंदर सिंह पुत्र श्री गरीवा व मुवक्किला राज कुमारी पत्नी श्री राजिंदर सिंह निवासी- H- 97, न्यू प्रियंका कैंप , मदनपुर खादर, नई दिल्ली-110076 ने अपने पुत्र सन्नी और उसकी पत्नी लक्ष्मी उर्फ साधना को मेरी मुव्क्किल व मुवक्किला के साथ गृहक्लेश व दुर्व्वहार करने और मनमाने चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है व अपने सारे रिश्ते नातो से सम्बंध विच्छेद कर लिए है।अब भविष्य में अपने पुत्र व पुत्रवधु के किसी भी कृत्य, आपसी लड़ाई झगड़ा, कानूनी कार्यवाही, मुकदमेबाजी व लेन-देन में मेरे मुवक्किल व मुवक्किला जिम्मेदार नही होगा।

विजय प्रताप सिंह अधिवक्ता
चैंबर नंबर 614 साकेत कोर्ट

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Sh. Rajesh Dhingra** is the owner of Entire First Floor without roof rights having super area measuring 82.50 Sq. Yds., out of total area 165 Sq. Yds., ("Said Floor") built up Property No. L-183, out of Khasra No. 87/23, situated in the area of Village Rithala, abadi known as Vijay Vihar, Phase – II, Rohini, Delhi – 110085. He is in possession of above said Floor through Notarized GPA & Will dated 05.09.2019 executed by Sh. Vijay Kumar in favour of Sh. Rajesh Dhingra in respect of Said Floor and PM-Uday Conveyance Deed dated 22.10.2021 doc. No. 5396 executed by POI through DDA in favour of Sh. Rajesh Dhingra in respect of Said Floor. **Sh. Rajesh Dhingra** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Floor to **Mr. Chirag Jindal.** Subsequently, **Mr. Chirag Jindal** is in the process of mortgaging the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 15 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 15-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 15-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

एचएसपीसीबी के आदेशों के विरुद्ध पोर्टल पर करें अपील

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने सरकार की सुशासन की पहलों को आगे बढ़ाने की नीति के अनुसार https://appeal.harenvironment.gov.in वेब पोर्टल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की। एक सरकारी प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि इस अवसर पर अपीलीय प्राधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुरिंदर गुप्ता (सेवानिवृत्त), हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष-सह-उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग तथा हरियाणा तकनीकी शिक्षा बोर्ड के महानिदेशक प्रभजोत सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि यह वेबसाइट हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण), 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत पारित आदेशों के विरुद्ध ऑनलाइन अपील दायर करने की सुविधा प्रदान करती है। इस पोर्टल से वकीलों, अपीलकर्ताओं तथा आम जनता को अब अपीलीय प्राधिकरण द्वारा पारित वाद सूची, अंतरिम आदेशों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

अरावली क्षेत्र में हरित रोजगार के अवसर सृजित करेगी सरकार: नरबीर

चंडीगढ़। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन लाइव पर्यावरण के लिए जीवन शैली व एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरुआत कर लोगों को पर्यावरण से जोड़ने की पहल स्वागत योग्य है। इस कड़ी में हरियाणा के अरावली क्षेत्र में हरियाली को बढ़ाने के लिए साउदी अरबिया की तर्ज पर अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट बनाई जाएगी। साउदी अरब के पांच दिन के दौरे के बाद राव नरबीर सिंह ने कहा कि साउदी अरब एक रेगिस्तानी देश है लेकिन वहां पर हरित पट्टीयां विकसित कर हरियाली को बड़े आकर्षक ढंग से बढ़ाया है। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने हरियाणा को अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि का सुधार बहु-राज्य सहयोग का एक अनुकरणीय मॉडल प्रदर्शित करना है। वनों की स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनरोपण, जैव विविधता संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना भी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से अरावली क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए हरित रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

कैश वैन व डस्टर गाड़ी की टक्कर में दो की मौत, चार घायल

हिसार। यहां की सैनिक छावनी के पास बैंक की कैश वैन व निजी डस्टर गाड़ी के बीच हुई टक्कर में कैश वैन में सवार दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। घायलों को जिले के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह हादसा सैनिक छावनी के चार नंबर गेट के पास हुआ। मृतकों की पहचान संदीप व प्रेम के रूप में हुई है जो रोहतक के रहने वाले थे। घायलों में जगमेंद्र, गोपाल व रोहित है। डस्टर गाड़ी में हरियाणा पुलिस का जवान मिर्चपुर निवासी अनिल मौजूद था। वह भी हादसे में घायल हो गया है। सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत व डिप्टी सीएमओ सुरेन्द्र बिश्नोई ने घायलों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र उपचार के निर्देश चिकित्सकों को दिए। घायल जगमेन्द्र ने बताया कि वह अपने पांच साथियों के साथ रोहतक से हिसार सेंट्रल बैंक में आए थे और कैश लेकर वापस रोहतक जा रहे थे। दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे के आसपास आर्मी कैंट के गेट नंबर 4 के दूसरी तरफ से डस्टर गाड़ी डिवाइडर से उछलकर उनकी गाड़ी से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि कैश वैन मे मौजूद पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो की मौत हो गई है। मृतकों में रोहतक जिले के भगवतीपुर निवासी प्रेम व बहू जमालपुर निवासी संदीप शामिल है जबकि घायलों में पुरा गांव निवासी जगमेन्द्र, बहु अकबरपुर निवासी गोपाल व खरकड़ा निवासी रोहित शामिल है।

वर्तमान परिदृश्य में अंतर्विषयक शोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : प्रो. विनोद छोकर

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में 'एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स' विषय पर चल रहा अंतर्विषयक रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हो गया है। दो सप्ताह तक चले इस कोर्स के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने की। इस अवसर पर एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डा. हरदेव सिंह व शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पूनिया सहित कार्यक्रम समन्वयक डा. अनुराग सांगवान व डा. विक्रमजीत सिंह उपस्थित रहे।कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान परिदृश्य में अंतर्विषयक शोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हमें अंतर्विषयक शोध पर फोकस करना होगा। हम अपने पास उपलब्ध उपकरणों को साझा करके एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

हरियाणवी संस्कृति का आईना है हरियाणा पवेलियन : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने केयू तथा केडीबी के संयुक्त तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पुरुषोत्तमपुरा बाग में स्थापित हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हरियाणा पैवेलियन हरियाणवी संस्कृति का आईना है जो सभी को हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पवेलियन के माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति के उत्थान व संरक्षण में सराहनीय योगदान दे रहा हैं। इस सराहनीय योगदान के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा बधाई के पात्र हैं। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के साथ मिलकर हरियाणा की लोक

संस्कृति को सम्पूर्ण विश्व में आम जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने हरियाणा पैवेलियन में लगे सभी स्टाल का अवलोकन किया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती समारोह में हरियाणा पैवेलियन युवा पीढ़ी को अपने राज्य की प्राचीन समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को जानने, समझने तथा उससे जुड़ने का सुगम अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हरियाण की लोक कला एवं संस्कृति की पहचान भारत में ही, नहीं अपितु पूरे विश्व में है। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति एवं संस्कार पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा गीता जयंती समारोह में हरियाणा पवेलियन ग्रामीण संस्कृति की चमक को बिखेर रहा है तथा यह लोक कला एवं संस्कृति का भी समृद्ध संगम है। तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया मौलिद ने कहा कि हरियाणा पवेलियन ग्राम्य संस्कृति का उत्कृष्ट उद्गम है जहां प्राचीन हरियाणावी लोक संस्कृति के बहुआयामी रंगों को प्रदर्शित किया गया है।

साहब, पड़ोसी का 5 मंजिला भवन धंस गया, हमारे मकान को भी क्षति पहुंची है..

एजेंसी
गुरुग्राम। नगर निगम में समाधान शिविर में गांव चौमा निवासी कप्तान सिंह ने निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग के समक्ष बिल्डिंग निर्माण की एक ऐसी समस्या रखी गई, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है। उनकी शिकायत पर निगमायुक्त ने तुरंत अपने अधीनस्थ अधिकारी को स्ट्रक्चरल ऑडिट के आदेश दिए।

शिकायतकर्ता कप्तान सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा 5 मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण अभी से टेढ़ा हो गया है। जमीन में भी धंस गया है। इसकी वजह से हमारे मकान की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उनके परिवार को जान-माल का नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम गुरुग्राम में समाधान शिविर में 15 शिकायतें आई, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में मुख्य रूप से सीवरेज, पेयजल, सड़क व अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनकी समयसीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को आगामी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए हैं। समाधान शिविर में पहुंचे सरस्वती एनक्लेव आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र की कई समस्याएं समाधान शिविर के माध्यम से दूर हो गई हैं। उन्हें आशा है कि अन्य शिकायतों का समाधान भी जल्द ही होगा।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम का आगाज

एजेंसी
चंडीगढ। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के मुख्य कार्यक्रम का श्रीमद्भगवद्गीता के पूजन के साथ आगाज हुआ। समारोह में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, खेल मंत्री टीएम माविता, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता यज्ञ में पूर्ण आहुति डाली और ब्रह्मसरोवर पर पूजन किया। इससे पहले सभी अतिथियों ने इस बार के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के पार्टनर देश तंजानिया के पवेलियन का उद्घाटन करने के बाद वहां के खान-पान, रहन-सहन, परिधानों को दर्शाने वाले स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से हरियाणा सरकार की 10 साल की उपलब्धियों को विभिन्न विभागों के स्टॉलों के माध्यम से दर्शाया गया है। इसके अलावा उन्होंने सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गीता महोत्सव की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से गीता जयंती को अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव का दर्जा

मिला। 28 नवंबर से अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आरम्भ हो चुका है जो15 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान मानवमात्र को श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश दिया जाएगा। इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया सहयोगी देश तथा ओडिशा सहयोगी राज्य है। उन्होंने कहा कि सहयोगी राज्य ओडिशा के श्री जगन्नाथ मंदिर, उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में बांके बिहारी मंदिर, मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर, गुजरात में द्वारिकधीश, उज्जैन में महाकालेश्वर और जयपुर में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में 18हजार विद्यार्थियों के साथ वैश्विक गीता पाठ, हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा विभिन्न राज्यों के कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, ब्रहमसरोवर की महाआरती, दीपोत्सव, 48 कोस के 182 तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

प्रदूषण फैलाने वाली 65 फैक्ट्रियों का बिजली कनेक्शन काटकर किया सील

एजेंसी
झज्जर। जिला उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि जिले में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की पाबंदियां प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में अनेक कारगर कदम उठाए गए हैं, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। एक्यूआई स्तर में सुधार के लिए बनाए गए एक्शन प्लान को विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में बेहतर कार्य कर रहे हैं।डीसी ने बताया कि ग्रेप-4 के तहत निर्माण और तोडफ़ोड़ की गतिविधियों पर रोक, कचरा और पराली जलाने पर निगरानी, और औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करना सहित कई पाबंदियां शामिल है। जिला प्रशासन ने औद्योगिक इकाइयों को सख्त हिदायत दी है कि वे प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन करें और नियम तोडऩे वाले उद्योगों पर कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ऐसी प्लास्टिक फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जो प्रदूषण नियमों को तोड़ रही हैं। बुधवार को कार्रवाई करते हुए ऐसी 25 फैक्ट्रियों के बिजली

कनेक्शन काटते हुए उन्हें सील कर दिया गया। अभी तक बोर्ड द्वारा जिले में करीब 65 फैक्ट्रियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की गई है। एचएसपीसीबी के एसडीओ अमित कुमार ने बताया कि कुछ ऐसी फैक्ट्रियों पर भी कार्रवाई की गई है जो सील करने के बावजूद खुली थी। ऐसी फैक्ट्रियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में गुरुवार शाम को एक्यूआई 196 के स्तर पर था। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पुरानी डीजल और पेट्रोल गाडिय़ों पर पाबंदी लगाई गई है। साथ ही, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव और धूल रोकने के लिए एंटी-स्मॉग गन का उपयोग किया जा है। प्रशासन के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव वायु गुणवत्ता सूचकांक पर भी देखने को मिला है। पिछले सप्ताह की तुलना में एक्यूआई स्तर में गिरावट आई है, जिससे जिले में हवा पहले से साफ और बेहतर हुई है।

मिलकर चलाएंगे पुराने गन्ना किसानों को शुगर मिल से जोडऩे की मुहिम: डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी
जींद। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी में हरियाणा किसानों को आर्थिक तौर पर सम्पन्न बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। आज हरियाणा सरकार न केवल किसानों का दाना-दाना खरीद रही है बल्कि 72 घंटे के अंदर उसका भुगतान भी कर रही है। हमें मिलकर पुराने किसानों को दोबारा से शुगर मिल से जोडऩे के लिए मुहिम चलानी है। जिसमें शुगर फेडरेशन, मिल प्रबंधन और जनप्रतिनिधि मिलकर काम करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने झांझ कलां स्तिथ द जींद सहकारी चीनी मिल जींद के 40वें पेराई सत्र 2024-25 का हवन में आहुति डाल कर व मिल चेन पर

गन्ना डालकर विधिवत तौर पर शुभारंभ किया। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि गन्ना पेराई सत्र किसानों के लिए उत्सव की तरह होता है। चार दशक पुरानी जींद शुगर मिल से किसानों का पुराना जुड़ाव रहा है। आज हमें गन्ने के होते रकबे को बढ़ाने के लिए सभी पुराने गन्ना उत्पादकों को जोडऩे का काम करना होगा। उन्होंने शुगर फेडरेशन के अधिकारियोंए मिल प्रशासन के साथ.साथ जनप्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वो किसानों को गन्ना बिजाई के लिए प्रेरित करें। विशेषकर जो किसान पहले गन्ना उत्पादन कर चुके हैंए उन्हें अपने साथ नए सत्र में जोडऩे के लिए मिलकर काम करना होगा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज हरियाणा न केवल किसानों को बेहतर गन्ना भाव दे रहा है, अपितु समय पर भुगतान की भी व्यवस्था कर रहा है। उन्होंने कहा कि जींद शुगर मिल प्रबंधन 15 दिन की बजाय एक सप्ताह में किसानों को गन्ना फसल का भुगतान करने का प्रयास करेंए ताकि किसानों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। दी जींद सहकारी चीनी मिल गन्ना किसानों के हितों में निरंतर कार्य कर रही है। हरियाणा शुगर मिल्ज के चेयरमैन धर्मबीर डागर ने कहा कि प्रदेश के शुगर मिलों को मॉर्डन बनाने के लिए सरकार अथक प्रयास कर रही है। गन्ना उत्पादक किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा मजबूत कदम बढ़ाये जा रहे हैं।

नगर निगम अब कंप्यूटराइज्ड रंगीन जन्म प्रमाण पत्र करेगा जारी

एजेंसी
गुरुग्राम। बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की समस्या को लेकर पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी ने निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग को मांग पत्र सौंपा। इस पर निगमायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेकर कंप्यूटराइज्ड रंगीन जन्म प्रमाण पत्र बनाने के आदेश दिए। नगर निगम वाड-10 (नया घोषित वार्ड-33) के पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी ने समाधान शिविर में निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग को मांग पत्र सौंपकर नगर निगम के माध्यम से रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। मांग पत्र सौंपते मंगत राम बागड़ी के साथ पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया और सुरेंद्र पंडित भी मौजूद रहे। इस मांग पर तत्काल एक्शन लेते हुए निगमायुक्त ने मौके पर ही इस विभाग के इंचार्ज डॉक्टर आशीष सिंगला से बात की और उन्हें रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्देशित किया। आश्वासन दिया कि अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र रंगीन कंप्यूटराइज्ड जारी किए जाएंगे।

मंगत राम बागड़ी ने निगमायुक्त को मांग पत्र सौंपकर अवगत कराया कि बच्चों के जन्म पर नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले सामान्य जन्म प्रमाण पत्र को आधार केंद्रों पर रिजेक्ट किए जा रहे हैं। इसके कारण बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए अभिभावकों को घोर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कार्यालयों का चक्कर काटना पड़ रहा है।

किसानों को रोकने के लिए तुगलकी फरमान जारी करना निंदनीय : सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़। भाजपा सरकार किसानों व आम जनता की आवाज को दबाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत यदि कोई अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं तो उन्हें रोकने के लिए भी सरकार के इशारे पर प्रशासन द्वारा नए-नए तुगलकी फरमान जारी किए जा रहे हैं। अंबाला डीसी की ओर से भी एक ऐसा ही तुगलकी फरमान जारी किया गया है, जो निंदनीय है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि किसान लंबे समय से एमएसपी गारंटी का कानून बनाने की मांग पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। शंभू व खनौरी बॉर्डर पर किसान धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी हर मांग को अनसुना कर रखा है। इसलिए किसान केंद्र सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने के लिए 6 दिसंबर को दिल्ली जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने का अधिकार है। इस अधिकार को कोई नहीं छीन सकता, मगर भाजपा सरकार लोगों के इस अधिकार को भी छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए अंबाला के डीसी ने एक ऐसा ही आदेश पारित किया है जो न सिर्फ लोकतंत्र के खिलाफ है बल्कि

सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। अंबाला के डिप्टी कमिश्नर ऑफिस की तरफ से जारी किए गए आदेश में लिखा है कि किसान दिल्ली पुलिस से परमिशन मिलने के बाद ही आगामी कार्यवाही करें, नहीं तो इस कार्यक्रम को स्थगित करें। अंबाला में धारा 163 लागू कर दी गई है।सैलजा ने कहा कि 5 या 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। इसके साथ दिल्ली में आंदोलन के लिए दिल्ली पुलिस की परमिशन जरूरी है। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने धारा 163 (पहले धारा 144) के नोटिस चिपकाए हैं। आदेश में कहा गया है कि 6 दिसंबर से जत्थों के रूप में शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच का आह्वान किया है और ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों से एकत्रित होने की अपील की है। ऐसे में आपको दिल्ली में प्रदर्शन-आंदोलन करने के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति लेना जरूरी है।

किसानों को एमएसपी देने का वादा पूरा करे भाजपा : हुड्डा

एजेंसी
चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भाजपा किसानों को बिजाई के समय डीएपी, सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एमएसपी देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पड़ता है। सरकार किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुए सरकार ने एमएसपी के लिए बाकायदा एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था।

उन्होंने कहा कि इतना लम्बा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वह सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। वे नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन भाजपा सरकार किसानों से यह अधिकार छीनना चाहती है। पूर्व सीएम ने कहा कि किसानों ने सरकार के बात मानते हुए बिना ट्रैक्टर-ट्राली के दिल्ली जाने की बात मान ली है। ऐसे में उनको रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार विज्ञापनों में 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात कहती है। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती

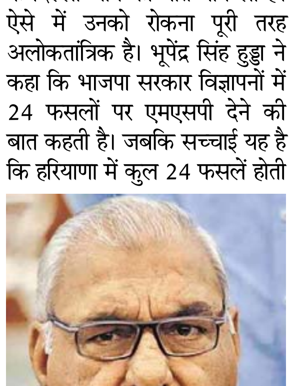

ही नहीं है और जो फसलें होती हैं, उन पर किसानों को कभी एमएसपी नहीं मिलती। धान का उदाहरण सभी के सामने है। चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने किसानों को 3100 रुपये धान का रेट देने का ऐलान किया था लेकिन चुनाव के बाद सरकार अपने वादे को भूल गई और किसानों को एमएसपी तक नहीं मिल पाई।

किसानों को सिंचाई के लिए हर 24 दिन बाद आठ-आठ दिन मिलेगा नहरी पानी

एजेंसी
झज्जर। बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने अधिकारियों के साथ हलके की नहरों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी नहरों की सफाई करने के निर्देश दिए। विधायक राजेश जून ने सिंचाई के लिए नहरों में छोड़े गए पानी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा किसान को सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े। सिंचाई के लिए नहरी पानी अंतिम टेल तक पहुंचे इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें।

विधायक राजेश जून ने बताया कि विधानसभा सत्र में उन्होंने किसान भाइयों की सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का मुद्दा उठाकर इस समस्या का समाधान करने मांग सरकार से की थी। मौके पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता इशांत सिवाच व जेई पंकज जून ने विधायक राजेश जून को बताया कि अब हर 24 दिन बाद आठ-आठ दिन सिंचाई के लिए नहरी पानी उपलब्ध होगा जिससे किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों ने विधायक राजेश जून से कहा कि आपका निर्देश अनुसार जल्द ही सभी नहरों की अच्छी तरह से सफाई करवा दी जाएगी। इस अवसर पर विधायक पहले सत्र में ही मैंने बहादुरगढ़ हलके की अन्य समस्याओं के साथ-साथ किसान भाइयों की सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का मामला विधानसभा में उठाया था जिस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

राजेश जून ने कहा कि अन्नदाता किसान कड़ी मेहनत से हम सबके लिए फसले पैदा करता है और नहरी पानी के अभाव में कई बार उन्हें फसलों में भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। विधायक राजेश जून ने कहा कि मैंने चुनाव के दौरान किसान भाइयों से भी वादा किया था कि सिंचाई के लिए पानी की किल्लत सहित आप लोगों की सभी समस्याओं को विधानसभा में बुलंद करके उसका समाधान करने का काम करूंगा और हरियाणा विधानसभा के व कृषि मंत्री ने संज्ञान लेते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बहादुरगढ़ हलके में किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर मात्रा में नहरी पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। विधायक राजेश जून ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों के साथ नहरों में सिंचाई के लिए छोड़े गए पानी की व्यवस्था का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान विधायक राजेश जून ने अधिकारियों को निर्देश दिए की नहरी पानी उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी।

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर डबवाली में पंजाब बॉर्डर पर पैरा मिलिट्री तैनात

एजेंसी
सिरसा। किसानों के दिल्ली कूच के आह्वान को देखते हुए पंजाब से स्टे सिरसा के डबवाली बॉर्डर पर पुलिस अलर्ट हो गई है। पैदल, ट्रैक्टर-ट्रालियों या अन्य वाहनों के साथ जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, मार्च करने, लाठी, डंडा या हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। डबवाली के साथ पंजाब की सीमा पर 7 स्थायी नाके व 14 अस्थाई नाके लगाए गए हैं। इन पर 24 घंटे लगातार पुलिस तैनात रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने बॉर्डर का मुआयना किया। डबवाली में पंजाब से स्टटे बठिंडा व नाका मलोट पर एक-एक कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स की लगाई गई है। पुलिस की हर आने जाने वाले व्यक्ति पर नजर रहेगी। डबवाली पुलिस दिल्ली कुच को लेकर हा संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से अलर्ट मोड पर गई है। एसपी ने इस संबंध में डबवाली के सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को विशेष सावधानी व सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है। एसपी ने बताया कि किसानों के दिल्ली कूच को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। समाज के सभी लोग किसी भी अफवाह व बहकावे में न आएं और सौहार्दपूर्ण वातावरण को पूरी तरह कायम रखने में तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती किस्म के लोग व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया साइट पर आमजन को गुमराह करते हैं, ऐसे लोगों से सावधान रहें। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखें। आमजन के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। एसपी द्वारा स्वयं नाके चैक किये गये व कर्मचारियों व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गारंटी मुक्त कृषि ऋण की सीमा हुयी दो लाख रुपये

एजेंसी
मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने गारंटी मुक्त कृषि की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का निर्णय लिया है।रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिसवसीय पांचवी बैठक के समापन पर जारी अपने बयान में कहा कि वर्तमान में गारंटी मुक्त कृषि ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये है जिसे अब बढ़ाकर दो लाख रुपये किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में यह सीमा एक लाख रुपये थी जिसे 2019 में बढ़ाकर 1.6 लाख रुपये किया गया था और अब 2024 में इसे बढ़ाकर दो लाख रुपये किया गया है। श्री दास ने कहा कि इससे औपचारिक ऋण प्रणाली में छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होगा। इस संबंध में शीघ्र ही परिपत्र जारी किया जायेगा।

वनप्लस की तीन वर्ष में 6,000 करोड़ के निवेश की घोषणा, 13 सीरीज होगा 5.5 जी स्मार्टफोन

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी ब्रांड वनप्लस ने आज भारत में उत्पादों और सेवाओं में नवाचारों को गति देने के लिए अगले तीन वर्षों में प्रोजेक्ट स्टारलाइट के तहत 6,000 करोड़ के निवेश की घोषणा करते हुये आज कहा कि वनप्लस 13 सीरीज भारत में 5.5 जी स्मार्टफोन होगा और इसमें ब्लूटूथ कनेक्शन 360 मीटर तक होगा। वनप्लस इंडिया के सीईओ रॉबिन लियू ने यह घोषणा करते हुये आज कहा वनप्लस ने तीन वर्षों में वार्षिक दो हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनायी है। हम अपने भारतीय उपयोगकर्ताओं की अनूठी जरूरतों को समझने और उन्हें संबोधित करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। प्रोजेक्ट स्टारलाइट हमारे उपयोगकर्ताओं द्वारा अपने दैनिक जीवन में सामना की जाने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए सतह से परे जाने के हमारे समर्पण का एक प्रदर्शन है। तीव्र गर्मी और आर्द्रता से लेकर भारी उपयोग, उच्च स्क्रीन ऑन-टाइम और वनप्लस उपयोगकर्ताओं के लंबे प्रतिस्थापन चक्रों तक, हम अपने उपकरणों और सेवाओं की आवश्यकता को समझते हैं ताकि आने वाले वर्षों में हमारे उपयोगकर्ताओं को विश्वसनीय रूप से सेवा प्रदान की जा सके। भारत वैश्विक स्तर पर हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है, और हम अपने भारतीय समुदाय का विश्वास और स्नेह अर्जित करने का प्रयास जारी रखते हैं।

मारूति की कारें जनवरी में हो जायेंगी चार प्रतिशत तक महंगी

नयी दिल्ली । यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी कारों की कीमतों में जनवरी में चार प्रतिशत की बढोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन खर्चों के कारण यह बढोतरी करनी पड़ रही है। उसने कहा कि यह वृद्धि चार प्रतिशत तक हो सकती है। हालांकि कंपनी लगातार लागत को अनुकूलित करने और प्रभाव को कम करने का प्रयास करती है लेकिन बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने की आवश्यकता महसूस हो रही है। उल्लेखनीय है कि अधिकांश यात्री वाहन कंपनियों ने जनवरी से कीमतें बढ़ाने जा रही है।

सिडबी ने हरियाणा के करनाल में खोली नयी शाखा

नयी दिल्ली। सिडबी ने हरियाणा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संकुलों की इकाइयों के विस्तार को प्रोत्साहित करने और उन्हें कर्ज सुविधा बढ़ाने के उद्येश्य से करनाल में अपनी नयी शाखा खोली है। सिडबी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस शाखा का उद्घाटन सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) अजीत नाथ झा ने की । इस अवसर पर वहां राज्य और केंद्र सरकार, पंजाब नेशनल बैंक, सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय औद्योगिक संकुल के संगठनोंऔर संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर एमएसएमई संकुल संपर्क कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जहाँ वक्ताओं ने स्थानीय उद्यमियों के साथ अपने दृष्टिकोण को साझा किया। इस कार्यक्रम में संजीव चावला, अतिरिक्त विकास आयुक्त और श्री सुशील जैन, अध्यक्ष, हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, करनाल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के सात सिडबी एमएसएमई ग्राहकों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

इजराइल की तरह भारत भी हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखे : गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को प्रति एक हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखना चाहिए, जो कि नवाचार को बढ़ावा देने में इजरायल की सफलता से प्रेरणा लेता है। वाणिज्य मंत्री ने उद्योग जगत से बैंक ऋण प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी साझा करने का भी आग्रह किया।केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) द्वारा आयोजित 'भारतञ्च100 शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि छोटा देश होने के बावजूद इजरायल ने नवाचार को प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप हर 1,000 लोगों पर एक स्टार्टअप है। उन्होंने इस

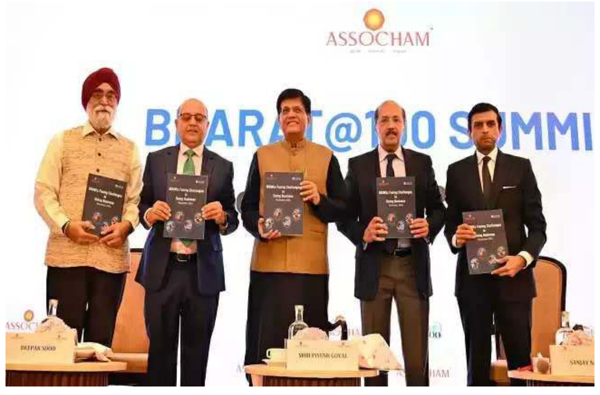

महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि किस तरह मोदी सरकार के व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी बढ़ाने, नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक लोकाचार को अपनाने और उसका लाभ उठाने की पहल से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने एसोचैम से आग्रह किया कि वह हमारी युवा आबादी में उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करे। साथ ही उनकी मानसिकता को नौकरी की तलाश से हटाकर नवाचार के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने की ओर मोड़ें। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडल तलाशने के लिए तैयार है।

केंद्र सरकार और एडीबी ने मेघालय में परियोजना के लिए 50 मिलियन डॉलर के ऋण पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 50 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस ऋण समझौते का उद्देश्य मेघालय में जल-संचयन प्रणालियों का निर्माण करके जल सुरक्षा को बढ़ाना है, ताकि जल तक पहुंच में सुधार हो।

इस परियोजना के तहत मेघालय के 12 जिलों में 532 जलवायु-अनुकूल जल-भंडारण सुविधाएं बनाई जाएंगी, ताकि मानसून की बाढ़ का प्रबंधन किया जा सके और शुष्क मौसम के दौरान जल सुरक्षा में सुधार किया जा सके। इस ऋण समझौते पर केंद्र सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी की ओर से एडीबी के भारत निवासी मिशन की कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका ने हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के मुताबिक ये ऋण समझौता विश्वसनीय सिंचाई के लिए 3,000 हेक्टेयर भूमि का विकास भी करेगा। इसके साथ ही जल-उपयोग दक्षता में सुधार के लिए गारो, जैंतिया और खासी क्षेत्रों में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली लागू करेगा। ये समझौता तीन जल-संचयन प्रणालियों में पायलट अक्षय ऊर्जा सूक्ष्म जलविद्युत को भी लागू करेगा।

सर्राफा बाजार में तेजी से उछला सोना, चांदी की भी चमक बढ़ी

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना नजर आ रहा है। सोना की कीमत में आज 100 से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है, जबकि और चांदी के भाव आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये से लेकर 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,550 रुपये से लेकर 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,940 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए लोगों को सशक्त बनाने के लिए सीएससी-कैट ने मिलाया हाथ

एजेंसी
नई दिल्ली। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के लाभार्थियों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस समझौते पर कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के प्रबंध निदेशक और मुख?य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय राकेश ने हस्ताक्षर किए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में इस कार्यक्रम के दौरान मीडिया को बताया कि यह समझौता ज्ञापन भारत के व्यापारिक समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारी लंबे समय से भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं, लेकिन अक्सर जागरुकता और पहुंच की कमी के कारण सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी देश भर के व्यापारियों और नागरिकों को भारत सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत लोगों को पंजीकरण में सहायता प्रदान कर सशक्त करेगी। उनके मुताबिक इन योजनाओं में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, लखपति दीदी और डिजी सखी योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अन्य अनेक योजनाएं हैं। खंडेलवाल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के तहत ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड यानी सीएससी और कैट के बीच हुई इस साझेदारी का उद्देश्य देशभर में अंतिम छोर तक लाभार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत सीएससी, कैट के साथ बड़ी मात्र में शिविरों का आयोजन करेगा, जिससे इन योजनाओं को सीधे व्यापारियों और आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य लाखों लोगों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करना और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच को सरल बनाना है। इस अवसर पर कारोबारी संगठन कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा की सीएससी के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और कैट के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों के व्यापक नेटवर्क की संयुक्त पहुंच के साथ यह पहल न केवल लाखों व्यापारियों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करेगी, बल्कि एक अधिक समावेशी और सामाजिक रूप से सशक्त व्यापारिक समुदाय को बढ़ावा देगी। उन?होंने कहा कि यह साझेदारी वित्तीय समावेशन के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है और एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ संजय राकेश ने कहा कि लगभग 6 लाख वीएलई के साथ सीएससी की 15 साल की यात्रा सामाजिक उत्थान के लिए सामुदायिक और गैर-सरकारी सेवा वितरण की शक्ति को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य दूरदराज के क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाकर उनके जीवन में बदलाव लाना है। यह समझौता सामाजिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में सीएससी की भूमिका को और मजबूत करता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5-7 फीसदी की जीडीपी वृद्धि संभवः सीईए नागेश्वरन

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5-7 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर संभव है। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के 5.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को आगे चलकर संशोधित भी किया जा सकता है, क्योंकि मौजूदा अनुमान मौसमी रूप से समायोजित नहीं हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) के 'भारतञ्च100 शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए यह बात कही। 'भारत के आर्थिक परिवर्तन को सशक्त बनाना' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने आर्थिक परिवर्तन के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. नागेश्वरन ने अपने संबोधन में आधुनिक राजमार्गों, नई ट्रेनों और तेज़ टोल प्रोसेसिंग के साथ आपूर्ति बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार सहित सरकारी नीतियों के ठोस परिणामों पर भी जोर दिया। उल्लेखनीय है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह 6.7 फीसदी रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में विकास दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो कि वित्त मंत्रालय के आर्थिक सर्वेक्षण में लगाए गए 6.5-7 फीसदी के अनुमान से अधिक है।

वित्त् मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी बजट-पूर्व परामर्श बैठक

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट बनाने की प्रक्रिया के तहत विभिन्न पक्षों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक शुरू करेंगी। बजट-पूर्व परामर्श बैठक की इस श्रृंखला के तहत वित?त मंत्री की 06 दिसंबर को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बैठक होगी। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली बजट पूर्व परामर्श बैठकों में आगामी बजट के बारे में उनसे सुझाव मांगेंगी। इस बैठक के तहत सात दिसंबर को किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों और एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। वित्त मंत्री की बजट पूर्व परामर्श बैठक चालू वित्त वर्ष

2024-25 की की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर आने के बीच होने जा रही है। बजट पूर्व परामर्श बैठक 30 दिसंबर 2024 को भारतीय उद्योग जगत के प्रमुखों और सामाजिक क्षेत्र के जानकारों, विशेष रूप से शिक्षा तथा स्वास्थ्य के हितधारकों के साथ खत्म होगा। बजट पूर्व परामर्श इन बैठकों में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और दीपम (निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग) सचिव तुहिन कांत पांडेय, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू के मौजूद रहने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट एक फरवरी 2025 को संसद में पेश किए जाने की संभावना है। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा। जानकारों का मानना है कि आगामी बजट से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नीतिगत दिशा मिलेगी।

एनएचएआई ग्रीन बॉन्ड के जरिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने कहा कि वह विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) 'डीएमई डेवलपमेंट लिमिटेड' (डीएमईडीएल) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे परियोजना पर पर्यावरण अनुकूल उपायों के कार्यान्वयन के लिए ग्रीन बॉन्ड के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि बंद बोली प्रणाली के तहत आयोजित होने वाले इस इश्यू का कुल आकार 500 करोड़ रुपये के बेस इश्यू साइज के साथ 1,000 करोड़ रुपये तक होगा। इसके अलावा 500 करोड़ रुपये तक के ओवरसब्सक्रिप्शन को बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू विकल्प भी होगा। सड़क और राजमार्ग क्षेत्र में अपनी तरह का पहला ग्रीन बॉन्ड इश्यू दिसंबर के दूसरे सप्ताह में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसे भारत सरकार के सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड फ्रेमवर्क, अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और सेबी दिशानिर्देशों के सख्त अनुपालन

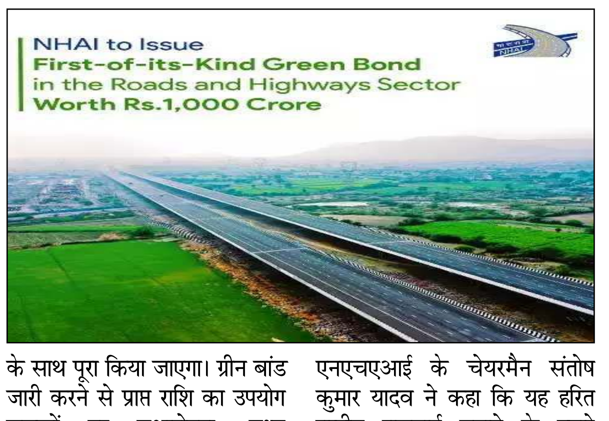

के साथ पूरा किया जाएगा। ग्रीन बांड जारी करने से प्राप्त राशि का उपयोग सड़कों पर वृक्षारोपण, मध्य वृक्षारोपण, पशु अंडरपास का निर्माण, प्राकृतिक वर्षा जल निकासी, नवीकरणीय ऊर्जा (सौर) पर आधारित स्ट्रीट लाइट, अपशिष्ट पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग तथा वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियों पर खर्च किया जाएगा।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने कहा कि यह हरित राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के हमारे दृष्टिकोण का एक हिस्सा है और पर्यावरण स्थिरता के प्रति एनएचएआई की प्रतिबद्धता को दोहराती है। ग्रीन बॉन्ड विशेष रूप से सड़क और राजमार्ग क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल परियोजनाओं में निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे और ऊर्जा की खपत को कम करके और पर्यावरण पर वाहनों के उत्सर्जन के प्रभाव को कम करके दीर्घकालिक लागत बचत की सुविधा प्रदान करेंगे।

अगस्त 2020 में निगमित, 'डीएमई डेवलपमेंट लिमिटेड' दिल्ली-मुंबई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के वित्तपोषण, निर्माण और संचालन के लिए एनएचएआई का पूर्ण स्वामित्व वाला विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है और इसे क्रिसिल, केयर और इंडिया रेटिंग से एएए रेटिंग मिली है। डीएमईडीएल का लक्ष्य ऋण और बॉन्ड के माध्यम से बैंकों और वित्तीय बाजार से लगभग 48,000 करोड़ रुपये जुटाना है और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे परियोजना के कार्यान्वयन के लिए अब तक लगभग 42,000 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन, आरबीआई ने खरीदा 27 टन सोना

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल अक्टूबर में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा है। इसके साथ ही देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन पहुंच गया है, जिसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके बाद तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन सोना के साथ भारत के आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन सोना के साथ तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने

लगातार पांच महीने तक सोना बेचने के बाद अक्टूबर में पहली बार खरीदारी की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोना की खरीदारी में अपना दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस वर्ष जनवरी से अक?टूबर तक कुल 77 टन सोना खरीदा है। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान तुर्किये ने अपने स्वर्ण भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है। वहीं, सिंगापुर समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अक्टूबर में सोना बेचा है। इनमें जर्मनी, मंगोलिया, जॉर्डन, थाईलैंड और फिलीपीन भी शामिल हैं।

गूगल आंध्र प्रदेश के लिए एमआई और मशीन लर्निंग आधारित सेवा समाधान के विकास में करेगी सहयोग

अमरावती। सूचना प्रौद्योगिकी एवं सर्चइंजन कंपनी गूगल ने गुरुवार को पूरे राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तैनाती और अपनाने में तेज़ी लाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की जिसके तहत गूगल राज्य सरकार के लिए खास कर स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई और एमल (मशीन लर्निंग) पर आधारित समाधानों का विकास करेगी और कौशल विकास में भी सहयोग करेगी। इस संबंध में जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों पक्षों ने इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के जरिए आंध्र प्रदेश सरकार के लिए एआई समाधानों के विकास और कार्यान्वयन को आगे बढ़ाएगा।

बिटकॉइन ने तोड़े मजबूती के सारे रिकॉर्ड, पहली बार 1.03 लाख डॉलर के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी
नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में बिटकॉइन ने मजबूती का नया इतिहास बना दिया है। ये आभासी मुद्रा आज के कारोबार में 1.03 लाख डॉलर के स्तर से भी ऊपर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में गिरावट आई, जिसके कारण फिलहाल ये क्रिप्टो करेंसी सर्वोच्च स्तर से थोड़ा नीचे गिर कर कारोबार कर रही है। बिटकॉइन की कीमत में आई इस तेजी के कारण इस क्रिप्टो करेंसी का मार्केट कैप पहली बार 2 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया है। माना जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने तक ये क्रिप्टो करेंसी उछल कर 1.10 लाख डॉलर के स्तर तक भी पहुंच सकती है। भारत में क्रिप्टो करेंसी के कारोबार के लिए अधिकृत एजेंसी यूनो कॉइन के अनुसार बिटकॉइन ने भारतीय समय के अनुसार कल देर रात दो बजे के करीब पहली बार 1 लाख डॉलर के स्तर को पार किया। एक लाख डॉलर के स्तर को पार करने के बाद भी इसकी रफ्तार तेज बनी रही, जिसके कारण सुबह 8 बजे के करीब इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत 1,01,544 डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। दिन के कारोबार में इस क्रिप्टो करेंसी की रफ्तार और तेज हुई। दोपहर 3 के करीब ये आभासी मुद्रा अभी तक के सर्वोच्च स्तर 1,03,332.30 डॉलर (करीब 87,63,900 रुपये) के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। हालांकि इसके बाद बिटकॉइन की कीमत में मामूली

गिरावट आई, जिसकी वजह से भारतीय समय के मुताबिक शाम 6 बजे ये आभासी मुद्रा 1,02,614.90 डॉलर (करीब 87,07,795 रुपये) के स्तर पर कारोबार कर रही थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से ही बिटकॉइन में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। 5 नवंबर के बाद से इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत में अभी तक 38 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग को, खासकर बिटकॉइन की खरीद बिक्री को मान्यता देने की बात कही थी। इसके साथ ही क्रिप्टो करेंसी के कारोबार को व्यवस्थित रूप देने के लिए एक रेगुलेटर नियुक्त करने का भी वादा किया था। डोनाल्ड ट्रंप के इस चुनावी वादे को जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा चलाए जा रहे एंटी क्रिप्टो करेंसी कैंपेन का जवाब माना जा रहा था। यही कारण है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत होते ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जोरदार तेजी का माहौल बन गया। खासकर दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने लगातार मजबूती का नया-नया रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में क्रिप्टो रेगुलेटर की नियुक्ति होने के बाद क्रिप्टो फ्रेंडली नीतियां बनाई जा सकती हैं, जिससे आभासी मुद्राओं को लेकर उठने वाली शंकाओं पर विराम लग सकेगा। ऐसा होने से क्रिप्टो करेंसी मार्केट में और भी तेजी आ सकती है। जानकारों का कहना है कि अगर कोई बड़ा उलट फेर नहीं हुआ, तो डोनाल्ड ट्रंप के शपथ लेने के पहले ही बिटकॉइन 1.01 लाख डॉलर के स्तर को पार कर सकता है।

धतूरे जैसा दिखने वाला यह फल बेहद चमत्कारी ! 99% लोग नहीं जानते होंगे नाम, इन इलाकों में खूब खाते हैं लोग

अमेरिका और अफ्रीकी देशों में पाया जाने वाला फल सौरसोप सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसमें इम्यूनिटी बढ़ाने की क्षमता होती है. सौरसोप दिखने में काफी अलग होता है, लेकिन स्वाद जबरदस्त होता है.

दुनिया में कई ऐसे फल हैं, जिन्हें देखकर आप पूरी तरह कंफ्यूज हो जाएंगे. आपने धतूरा कई बार देखा होगा और इसका इस्तेमाल पूजा-पाठ में भी किया होगा, लेकिन इस जैसा दिखने वाला एक फल भी होता है. इस फल को सौरसोप (Soursop) कहा जाता है. कई देशों में इसे ग्रेवियोला (Graviola) भी कहा जाता है. यह फल उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है और मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और कैरेबियाई देशों में उगता है. यह फल भारत में नहीं उगाया जाता है, लेकिन देश में कुछ बागवानी और फार्मेस्युटिकल क्षेत्रों में इसे उगाया जाता है. इस फल का उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है. भारत के अधिकतर हिस्सों में यह फल उपलब्ध नहीं होता है.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक सौरसोप एक उष्णकटिबंधीय फल है, जो हेल्थ बेनिफिट्स के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है. यह फल हरे रंग का होता है और इसकी बाहरी सतह कांटेदार होती है. इसका स्वाद खट्टा-मीठा होता है. सौरसोप में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं. इम्यूनिटी के लिए सौरसोप फ्रूट को बेहद लाभकारी माना जाता है. सौरसोप में विटामिन ष्ट और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाते हैं. इससे बैक्टीरिया, वायरस और अन्य संक्रमणों से लड़ने में मदद मिलती है.

सौरसोप फ्रूट को एंटीकैंसर गुणों से भरपूर माना जाता है. कई रिसर्च से यह पता चला है कि सौरसोप के पत्ते और फल में ऐसे रसायन होते हैं, जो कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकते हैं. खासकर यह फल ब्रेस्ट कैंसर, पेट के कैंसर और कोलोन कैंसर से बचाव में सहायक हो सकता है. हालांकि इस बारे में ज्यादा रिसर्च की जरूरत है. सौरसोप के फल और पत्ते पाचन में सहायक होते हैं. यह फल कब्ज, गैस और अन्य पाचन समस्याओं को दूर करने में मदद करता है. यह आंतों को साफ करने और पेट की समस्याओं को हल करने में कारगर साबित हो सकता है.

स्टडीज की मानें तो इस फल को मेंटल हेल्थ सुधारने में काफी असरदार माना जा सकता है. सौरसोप में मौजूद कुछ नेचुरल केमिकल्स तनाव को कम करके मानसिक शांति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं. यह एंटी-एंजायटी और एंटी-डिप्रेसेंट के रूप में काम करता है और इसका सेवन करने से लोगों की मेंटल हेल्थ दुरुस्त हो सकती है. इस फल को खाने से मानसिक ताजगी और एनर्जी मिल सकती है. सौरसोप के एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं. यह त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है और त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है.

सौरसोप में पाए जाने वाले विटामिन और मिनरल्स जैसे- पोटेशियम और फोलिक एसिड दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं. कुछ रिसर्च में इस बात के प्रमाण मिले हैं कि सौरसोप फ्रूट का नियमित सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. इस फल को खाने से हार्ट डिजीज का खतरा भी कम हो सकता है, क्योंकि यह तमाम पोषक तत्वों से भरपूर होता है. सौरसोप फ्रूट स्वादिष्ट होता है और सेहत के लिए फायदेमंद होता है. हालांकि अगर आप पहले से किसी परेशानी से जूझ रहे हैं, तो इसका सेवन करने से पहले एक्सपर्ट सलाह जरूर लें.

झुलसते देश में फिल्म की स्क्रीनिंग

उत्तरप्रदेश के संभल में इन दिनों यही प्रयोग किया जा रहा है। शाही जामा मस्जिद के नीचे हरिहर मंदिर होने के दावे के आधार पर अदालत ने सर्वे की अनुमति दे दी और एक नहीं दो-दो बार सर्वे हो गए। इससे जो तनाव उपजा और अशांति कायम हुई, उससे सब वाकिफ हैं। पहली बात तो सर्वे की अनुमति देना ही उपासना स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ था।

दुनिया में भारत की खास पहचान उसके बुनियादी चरित्र के कारण कायम हुई। वह चरित्र जो हमेशा सत्य की प्रतिष्ठा का आग्रही रहा है, साथ ही उदारता, सद्भाव, अहिंसा, त्याग, लचीलेपन जैसे गुणों को तरजीह देता आया है। दुनिया के सभी धर्मों के अनुयायी भारत में हैं। पूरे विश्व में सम्राट अशोक जैसी मिसाल नहीं है, जिन्होंने एक युद्ध जीतने के बाद हिंसा और रक्तपात देखकर न केवल जीता हुआ राज्य लौटा दिया, बल्कि आजीवन अहिंसा का ही पालन किया। हमारी पौराणिक कथाओं में कर्ण जैसे चरित्र हैं, जो सत्ता के लालची दुर्योधन का साथ केवल मित्रता के नाते देता है और जिसे सम्मान से याद किया जाता है, क्योंकि उसने दानवीरता की मिसाल कायम की। दुनिया ने गांधी की अहिंसा की ताकत को स्वीकार किया, बुद्ध की शिक्षा को अपनाया। भारत को इन महान चरित्रों के कारण याद किया जाता रहा है। लेकिन अब इतिहास का हवाला देकर भारत की इस चारित्रिक विशेषता को ही खत्म करने का काम संघ और भाजपा करने में लगे हैं। अब वैश्विक पटल पर भारत का नाम गौतम, गांधी, अशोक या अकबर के कारण नहीं आ रहा, बल्कि कश्मीर, अयोध्या, मणिपुर, संभल और अजमेर में बढ़ रहे तनाव के कारण आ रहा है।पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। इस फिल्म को भाजपा शासित तमाम राज्यों में काफी बढ़ावा मिल रहा है, प्रधानमंत्री से पहले भाजपा के कई मुख्यमंत्री इस फिल्म को देख चुके हैं। इस फिल्म में तथ्यों और कल्पना का कितना घालमेल है, यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन याद रहे कि बीबीसी का तथ्यों पर आधारित वृत्तचित्र द मोदी क्वेश्चन भारत में प्रतिबंधित है, क्योंकि सरकार को इसमें नरेन्द्र मोदी के खिलाफ साजिश नजर आई। बहरहाल, सवाल यह है कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताएं क्या हैं। जून में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद उनका काफी वक्त हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र चुनावों के प्रचार में बीता, जो बचा वक्त रहा, उसमें उनकी कई विदेश यात्राएं हो गईं। इस दौरान तीसरी बार संसद का सत्र लगा है, लेकिन इसमें भी लगातार व्यवधान ही देखे गए और जब सत्र चल भी रहा है तो प्रधानमंत्री संसद कम पहुंच रहे हैं।18-18 घंटे काम करने और एक भी छुट्टी न लेने का जो तमगा श्री मोदी के कंधों पर लगा हुआ है, वो कितना असली है, इसकी परख भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री होने के नाते श्री मोदी को अधिक वक्त देश के मुद्दों और समस्याओं पर गौर करने में बिताना चाहिए। लेकिन इस दौरान वे एक ऐसी फिल्म देखने के लिए वक्त निकाल रहे हैं, जिसका आम जनजीवन पर न कोई असर पड़ना है, न इसका कोई सरोकार उससे जुड़ा है। गुजरात बीते भी 20 साल हो चुके हैं। उस वक्त के सच अब बिलकिस बानो की तरह सिर उठाकर समाज के सामने आ चुके हैं। समाज के सामने अब उस सच का सामना करने और सबक लेने की जरूरत है। लेकिन यहां कोई खेल रचा जा रहा है। अब गुजरात की तरह उत्तरप्रदेश और धीरे-धीरे बाकी देश में ऐसी ही प्रयोगशाला बनाने की तैयारी हो रही है, जहां सच को झुलसाकर राख किया जाए और उस राख पर सत्ता के महल बनाए जाएं। इस काम के लिए जो टूलकिट बनाई गई है, उसमें मीडिया और न्यायपालिका दोनों को शामिल किया गया है।उत्तरप्रदेश के संभल में इन दिनों यही प्रयोग किया जा रहा है। शाही जामा मस्जिद के नीचे हरिहर मंदिर होने के दावे के आधार पर अदालत ने सर्वे की अनुमति दे दी और एक नहीं दो-दो बार सर्वे हो गए। इससे जो तनाव उपजा और अशांति कायम हुई, उससे सब वाकिफ हैं। पहली बात तो सर्वे की अनुमति देना ही उपासना स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ था, जिसमें 1947 के बाद के किसी धार्मिक स्थल का चरित्र नहीं बदल सकते। लेकिन मई 2022 में ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने के दौरान तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने मौखिक टिप्पणी की थी कि पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का निर्धारण निषिद्ध नहीं है। यानी आप किसी धार्मिक स्थल को दूसरे धार्मिक स्थल में तब्दील नहीं कर सकते, लेकिन यह तो बता सकते हैं कि वहां पहले क्या था। यह बौद्धिक बेईमानी की मिसाल है, जिसमें न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति ने अन्याय के लिए रास्ता बता दिया।सर्वोच्च न्यायालय से आई इस टिप्पणी के बाद निचली अदालतों को मौका मिल गया कि वे किसी मस्जिद या दरगाह के नीचे क्या था, यह पता लगाने का आदेश आसानी से पारित कर सकें। संभल में यही खेल हुआ, वहां सर्वे की अनुमति दी गई और मुस्लिम पक्ष की बात सुने बिना ही कार्रवाई शुरु भी हो गई। दूसरी बात यह है कि सर्वे का काम शांति से, बिना किसी हो-हल्ले के हो सकता था।लेकिन यहां बाकायदा मजमा लगने दिया गया और जब हालात बेकाबू हुए तो पुलिस कार्रवाई के लिए आगे आई। अब निर्दोषों की जान चले जाने के बाद इंटरनेट बंद करने, कर्फ्यू लगाने जैसे उपाय किए गए और फिर विपक्ष के सांसदों को वहां जाने से रोका जा रहा है। भीम आजाद पार्टी के सांसद चंद्रशेखर, समाजवादी पार्टी के विधायकों और अब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल जाने से रोककर भाजपा सरकार ने बता दिया कि संभल में हालात सामान्य नहीं हैं और वहां बहुत कुछ ऐसा है,

जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही है।संभल के बाद अब अजमेर शरीफ में यही हो रहा है और कतार में अगली बारी शायद अजमेर में ही अढ़ाई दिन का झोपड़ा मस्जिद की है, क्योंकि अजमेर के डिप्टी मेयर नीरज जैन ने इस मस्जिद को लेकर जारी बयान में दावा किया है कि इसमें संस्कृत कॉलेज और मंदिर होने के सबूत मिले हैं। गौरतलब है कि यह मस्जिद एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। मई 2022 में राहुल गांधी ने कहा था कि देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है, चिंगारी लगाने की देर है। श्री गांधी के इस बयान पर काफी विवाद खड़ा हुआ था। भाजपा ने इसका खूब विरोध किया था। लेकिन अब लगता है कि श्री गांधी की टिप्पणी अनायास नहीं थी। मौजूदा राजनेताओं में चंद ही ऐसे हैं, जो न कभी अपनी बात से पलटते हैं, न जिनके दावे वक्त के साथ बदल जाते हैं

और सबसे खास बात यह कि उनकी कही बात अक्सर सच साबित होती है। राहुल गांधी की गिनती इन्हीं नेताओं में शुमार होती है। राहुल गांधी भविष्यवक्ता नहीं हैं, लेकिन जननेता वे बन चुके हैं। सुरक्षित और सुविधाजनक दायरे के भीतर कैद रहकर वे राजनीति नहीं कर रहे, लोगों के बीच उतर कर देश की नब्ज़ टटोल रहे हैं। इसलिए वे जो कुछ कहते हैं वह बात अनुभव से निकली होती है और इसलिए सच हो जाती है। केरोसिन छिड़कने और चिंगारी लगाने की बात भी अब सच होती ही दिख रही है।

ानून व्यवस्था के नाम पर राहुल गांधी को तो संभल जाने से रोक दिया गया, जब संसद में इस पर सवाल उठे तो लोकसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में रहना चाहिए। क्या यही बात प्रधानमंत्री को कही जा सकती है

कि आप को भी सदन में रहना चाहिए ताकि संसद सत्र में कामकाज हो सके। या क्या प्रधानमंत्री को यह कहा जा सकता है कि नेता प्रतिपक्ष को तो संभल जाने से रोका गया, लेकिन आपको वहां जाना चाहिए, ताकि लोगों के जख्मों पर मरहम लगे। जो अन्याय हुआ है, उसमें इंसाफ की गुंजाइश बने। या प्रधानमंत्री के मनोरंजन के लिए किसी नयी फिल्म की स्क्रीनिंग की तैयारी हो, ताकि देश में लगी आग की तपिश से श्री मोदी को कोई परेशानी न हो।

संपादकीय

संभल का सच छिपाती सरकार

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे, लेकिन तकरीबन डेढ़ सौ किलोमीटर पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर उन्हें रोक दिया गया। उप्र पुलिस ने उन्हें आगे जाने की इजाज़त नहीं दी। पिछले दिनों वहां की शाही मस्जिद में सर्वेक्षण को लेकर जो हिंसा हुई थी, उसका सच छिपाने के लिये उप्र तथा केन्द्र की डबल इंजिन सरकार इतनी बेताब है कि वह यह भी भूल गयी कि राहुल अब केवल रायबरेली के सांसद या एक पार्टी विशेष के नेता ही नहीं है बल्कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है। सत्य के उजागर होने का डर साफ दिखाई पड़ता है।उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य नेताओं व अपने काफिले के साथ दिल्ली-गाजीपुर सीमा पर पहुंचे तो वहां तैनात बड़े पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। राहुल की कोई भी बात नहीं मानी गयी और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव तक दिया कि वे अकेले जाने के लिये तैयार हैं और उनके साथ चाहें तो पुलिस अधिकारी चल सकते हैं। उन्हें बार-बार इस बात की दुहाई दी गयी कि वहां जाने से माहौल और बिगड़ेगा। ऊपर से ही उन्हें न जाने देने के आदेश के संकेत तो दिये गये लेकिन ऐसा कोई आदेश दिखाया नहीं गया। अंततः राहुल-प्रियंका को लौट जाना पड़ा।एक अदालती आदेश के बाद शाही मस्जिद का, जो तकरीबन 500 साल पुरानी है, भारतीय पुरातात्विक विभाग द्वारा 24 नवम्बर को सर्वेक्षण किया गया था। पहला सर्वे शांतिपूर्ण गुजरा लेकिन जब दूसरे चरण के सर्वे के लिये वजूखाना खाली कराया गया, तो शहर में हिंसा भड़क उठी थी। इसे शांत करने के नाम अल्पसंख्यकों के खिलाफ जुल्म होने के आरोप अनेक संगठनों तथा कई विपक्षी नेताओं ने लगाये हैं। सांसद डिम्पल यादव (समाजवादी पार्टी) का आरोप है कि राज्य में विधानसभा की 9 सीटों के लिये हुए उपचुनाव के मद्देनज़र भाजपा ने दंगे कराये। इसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की पुलिस के गोली चालन से मौत हो गयी थी। अगर यह आरोप सही है तो इसका फायदा मिलता दिखा भी। भाजपा को 7 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई। उसी दौरान हुए महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भी संभल मामले को भाजपा ने भुनाने की कोशिश की थी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रचार करते हुए बटेंगे तो कटेंगे का जो नारा दिया था, उसे उन्होंने झारखंड के दूसरे तथा महाराष्ट्र के प्रचार-अभियान के दौरान संभल का दृष्टांत देते हुए दोहराया था। यह अलग बात है कि उसे महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से यह कहकर खारिज कर दिया गया था कि महाराष्ट्र में यह नारा नहीं चलेगा। संभल की प्रासंगिकता बनाये रखने तथा उसका हवाला देने में सहूलियत हो, इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया था।बहरहाल, संभल की घटना को लेकर उप्र सरकार का कहना रहा है इस हिंसा के दोषी अल्पसंख्यक हैं। यदि ऐसा होना सच भी मान लिया जाये तब तो उप्र सरकार को सभी को संभल जाने देना चाहिये ताकि यह सत्य सामने आये। ऐसा वह इसलिये नहीं कर रही है

क्योंकि वह जानती है कि सच्चाई कुछ और है। धर्म स्थलों से सम्बन्धित कोई विवाद स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष बुनियाद को हिला न सके इसलिये 1991 में उपासना स्थल अधिनियम बनाया गया था कि 1947 की स्थिति बरकरार रखी जायेगी। यानी कि जो धर्म स्थल जिस मज़हब के हैं वे उसी के बने रहेंगे। जहां तक रामजन्मभूमि का मामला था तो उसे अपवाद माना गया था क्योंकि वह पहले से न्यायाधीन था। जब से (2014 में) मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार बनाई है, तभी से उसके समर्थकों तथा कट्टर हिंदूवादियों का उत्साह आसमान पर है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं .

नरेंद्र मोदी सरकार अमीरों पर सुपर टैक्स लगाने के मुद्दे पर चुप क्यों

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे बजट को संसद में पेश किये जाने में दो महीने से भी कम समय बचे हैं

भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025-26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है।नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे बजट को संसद में पेश किये जाने में दो महीने से भी कम समय बचे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के इस केन्द्रीय बजट को अगले साल फरवरी में संसद में पेश किया जाना है। वित्त मंत्रालय में बजट की कवायद जारी है और विकास व्यय को पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निचले स्तर के लोगों की आय में सुधार शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे बेरोजगारों, खासकर महिलाओं और शिक्षित युवाओं के लिये नयी नौकरियों के सृजन के कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए सुपर अमीरों से अतिरिक्त संसाधन जुटायें।

मुकेश अंबानी परिवार और कुछ अन्य व्यवसायियों और फिल्मी सितारों के परिवारों में हाल ही में हुई शादी की धूमधाम ने दिखाया है कि एक सुपर अमीर व्यक्ति अपने बेटे या बेटी की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च कर सकता है। भारत में सुपर अमीरों का एक ट्रिलियन डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां और उच्च पदस्थ राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए।

एक अनुमान के अनुसार, भारत में 170 से अधिक डॉलर-अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रम प्रधान परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित विकास कार्यकज्र्मों पर खर्च की जा सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ प्रणब बर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं।भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और पूंजीगत लाभ कर संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों के पक्ष में झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, महामारी के संदर्भ में मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4 खरब रुपये का नुकसान हुआ। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरब रुपये के फंड से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं।भारत के लिए, सुपर रिच पर विशेष कर लगाना बहुत समय से लंबित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैम रिपोर्ट सहित सभी हालिया रपटों से पता चलता है कि असमानता लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के गरीब लोगों की जीवन स्थिति दयनीय है, जबकि उच्च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव पड़ता है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका के कई अन्य देशों और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है।ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार, भारत केवल पांच हाथों में बढ़ते औद्योगिक संकेन्द्रण का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इक्विटी फंडों और मित्र पूंजीपतियों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों के बीच असमानता और गरीबी का अभूतपूर्व स्तर बढ़ रहा है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उच्च और असहनीय आउट-ऑफ-पॉकेट शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में खुला भेदभाव।कई वर्षों से ऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, सबसे बड़ा खतरा यह है कि ये असाधारण चरम सीमाएं नयी सामान्य स्थिति बन जायेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉर्पोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, साथ ही यह भी कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुज़र रहे हैं- सिर्फ तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन-यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है। प्रत्येक संकट ने खाई को चौड़ा किया है - अमीरों और ग़रीबी में रहने वाले लोगों के बीच ही नहीं, बल्कि कुलीनतंत्र और विशाल बहुमत के बीच भी।

सुपर रिच पर कर लगाने के बारे में जी-20 शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक घोषणा निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रगतिशील कराधान की वैश्विक खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कर सहयोग पर एक नया संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन नियम आधारित प्रणाली को तैयार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जो विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के लिए बहुत फ़ायदेमंद होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के नेतृत्व में जी-20 की अध्यक्षता की मजबूत स्थिति ने नवंबर के शिखर सम्मेलन में अमीर देशों को समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अफ्रीकी देशों को अधिक संसाधनों के हस्तांतरण के लिए प्रभावी रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए मजबूर किया।नवंबर शिखर सम्मेलन में, जी-20 राष्ट्रों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की कि सुपर-रिच पर कर लगाया जाये। जी-7 ने भी कम से कम इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सुपर-रिच पर कम कर लगाना एक समस्या है जिसे ठीक किया जाना चाहिए। यूनाईटेड किंगडम सरकार ने एक बजट पेश किया जिसमें करोड़पतियों और निगमों पर उचित कर लगाना शामिल है, और फ्रांस की रूढ़िवादी सरकार ने शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए योगदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प सुपर रिच पर कर लगाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि वे वास्तव में अपनी मेगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) नीति के एक हिस्से के रूप में कर कटौती की वकालत कर रहे हैं। लेकिन आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा जर्मनी अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनावों के बाद नये गठबंधन के सत्ता में आने के बाद इस मुद्दे पर फैसला ले सकता है।भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025-26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है। 2025-26 के बजट में इस कर को लागू करने की मांग में इंडिया ब्लॉक पार्टियों को भी समान रूप से मुखर होना चाहिए। एक बार में भारी मात्रा में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का यही एकमात्र तरीका है।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्‌भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

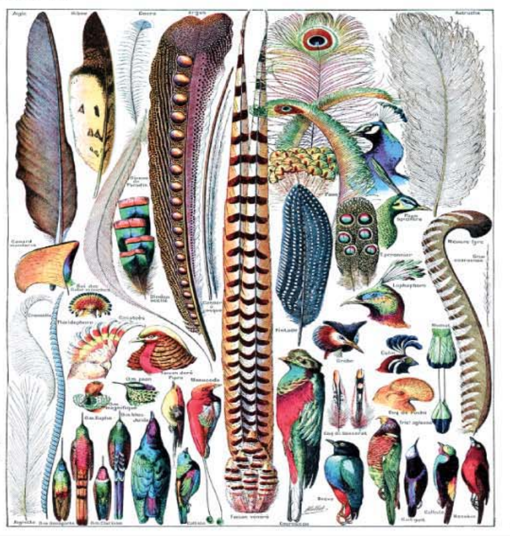

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

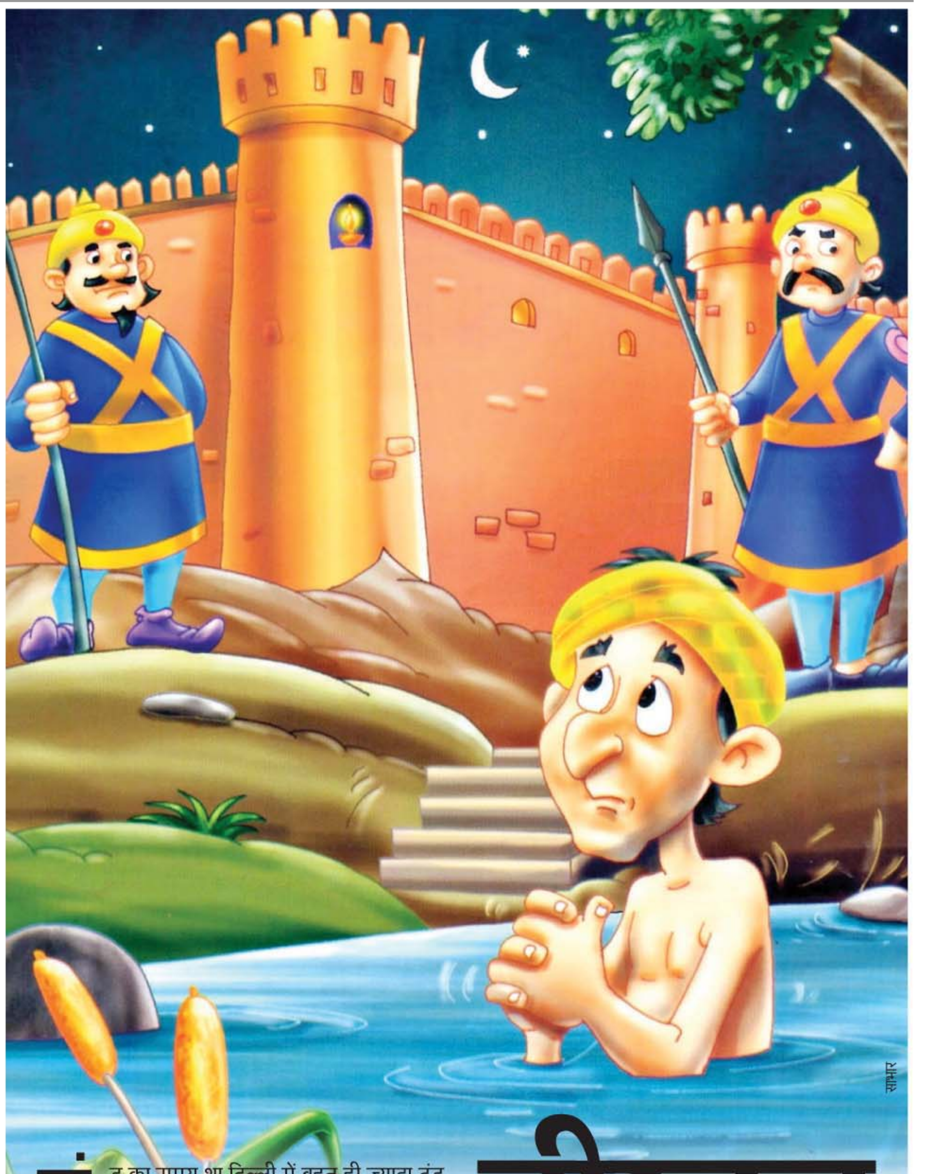

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।

अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

काकुरो पहेली - 2669

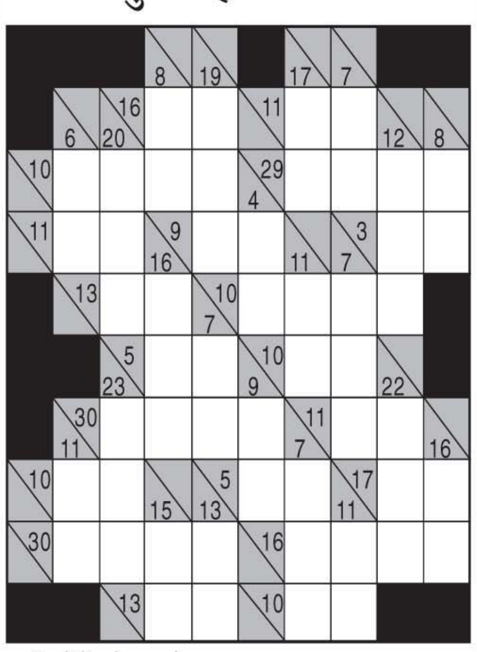

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2668 का हल

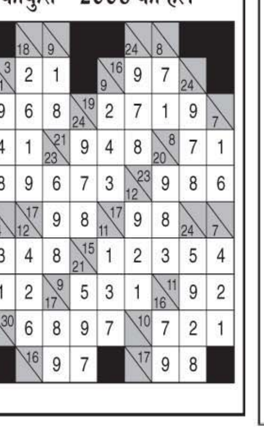

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 2669

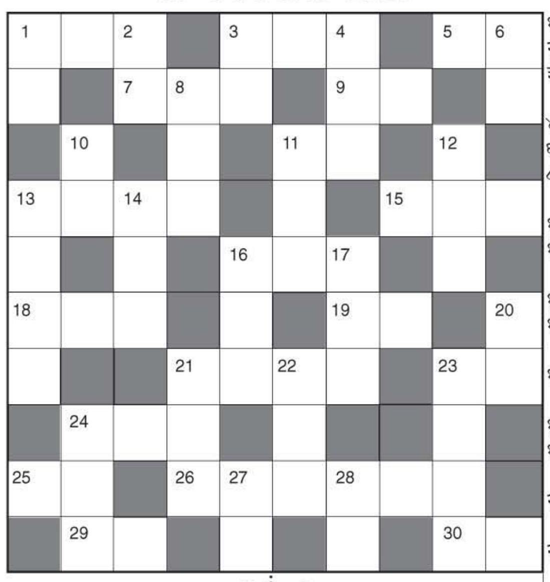

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2668

सूडोकु -2669

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2668 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 2669

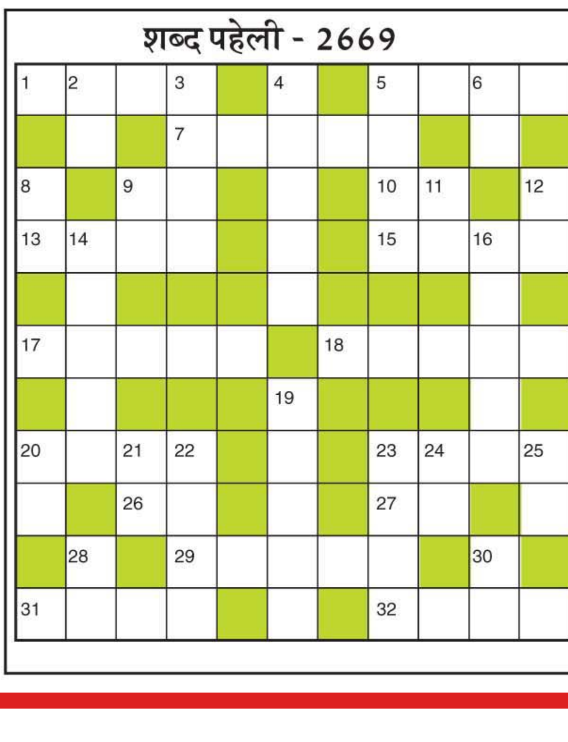

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा -2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2668 का हल

पीलीभीत सड़क हादसे में छह की मौत, मुख्यमंत्री योगी ने दुख जताया

एजेंसी

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत-टनकपुर हाई-वे पर गुरुवार देरात एक अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा कर खाई में गिर गई। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। पुलिस सभी की पहचान का प्रयास कर रही है।पुलिस के मुताबिक, उत्तराखंड के खटीमा में रहने वाले लोग बारात में शामिल होने के लिए पीलीभीत आए थे। देरात एर्टिगा कार से वापस जा रहे थे। कार में 11 लोग सवार थे। देरात लगभग 12 बजे न्यूरिया थाने के पास कार पहुंची थी, तभी चालक तेज रफ्तार कार से अपना नियंत्रण खो बैठा। कार अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई, फिर सड़क से खाई में पलट गई। हादसे में छह लोगों मौत और चार लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

मोदी सरकार समाज के हर वर्ग को न्याय और अवसर देने को प्रतिबद्ध : कमलेश पासवान

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने आज कहा कि समाज कल्याण को समर्पित मोदी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल विकसित, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत की नींव को मजबूती प्रदान कर रहा है। भारत समावेशी समाज की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व में देश लगातार सकारात्मक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। यह परिवर्तन एक क्षेत्र में नहीं अपितु सभी क्षेत्रों में हुआ है। जो क्षेत्र, समाज और वर्ग नेपथ्य में थे, उसे आज प्राथमिकता मिल रही है और सशक्त हो रहे हैं।पासवान ने आज यहां सामाजिक सशक्तिकरण पर आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि इस समय देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसारित है। प्रधानमंत्री ने जो समाज कल्याण के साथ विकसित भारत 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया है, वह ज्ञान आधारित है। अंग्रेजी का 'जीवाईएएन' यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी। इसके साथ समाज के हर वर्ग- महिलाएं, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यक, दिव्यांगजन, छात्र, वृद्ध और विधवाओं के लिए सकारात्मक रूप से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री जन धन योजना से लेकर उज्ज्वला योजना या आयुष्मान भारत से लेकर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की बात हो, इससे समाज का सशक्तीकरण हुआ है। दुनियाभर में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई योजनाओं को सराहा गया है।

शादी समारोह में घराती-बारातियों में मारपीट के बाद लौटी बारात, फिर दूल्हे के घर हुई शादी

वाराणसी। मिर्जामुराद क्षेत्र के शिवरामपुर गांव में शादी समारोह के दौरान घराती और बराती पक्ष के बीच मारपीट हो गई। इससे दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। विवाद के चलते बराती नाराज होकर बिना शादी किए लौट गए, लेकिन बाद में पुलिस और समझाइश के बाद दूल्हे के घर पर विवाह सम्पन्न हुआ। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के लच्छापुर गांव निवासी दशरथ राजभर के बेटे अरविंद राजभर की बारात शिवरामपुर गांव निवासी चंदबली राजभर के घर आई थी। द्वारचार और भोजन के बीच किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो मारपीट में बदल गई। इस दौरान लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले, जिससे बराती पक्ष से मनोज, पिंटू, अनिल, रोहित और राहुल घायल हो गए, जबकि घराती पक्ष से दिलीप और भौकाली को चोटें आईं। घटना के बाद नाराज बराती शादी के बिना लौट गए। घराती पक्ष ने समझाने की कोशिश की, लेकिन बराती तैयार नहीं हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस के प्रयास से दूल्हे के परिवार ने इस शर्त पर शादी करने पर सहमति जताई कि विवाह दूल्हे के घर पर होगा। इसके बाद, लड़की के पिता दर्जनों लोगों के साथ लड़के के घर पहुंचे और विवाह की रस्म पूरी की गई। इस असामान्य घटना की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

केंद्र ने टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में दो स्टार्ट-अप को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय के सचिव ने राष्ट्रीय टेक्निकल टेक्सटाइल्स मिशन के तहत 9वीं अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की बैठक की अध्यक्षता की। समिति ने 'टेक्निकल टेक्सटाइल्स में महत्वाकांक्षी अन्वेषकों के लिए अनुसंधान और उद्यमिता अनुदान (ग्रेट)' योजना के तहत लगभग 50 लाख रुपये प्रत्येक के अनुदान के साथ 2 स्टार्ट-अप को मंजूरी दी है। समिति ने 'टेक्निकल टेक्सटाइल्स में शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाने के लिए सामान्य दिशा-निर्देश' के तहत टेक्निकल टेक्सटाइल्स में पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए 6 शिक्षण संस्थानों को लगभग 14 करोड़ रुपये के अनुदान को भी मंजूरी दी है। स्वीकृत स्टार्ट-अप परियोजनाएं टिकाऊ वस्त्रों और मेडिकल टेक्सटाइल्स के प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। अनुमोदित शिक्षा संस्थानों ने मेडिकल टेक्सटाइल, मोबाइल टेक्सटाइल, जियोटेक्सटाइल्स, जियोसिंथेटिक्स आदि सहित सभी टेक्निकल टेक्सटाइल्स के विभिन्न क्षेत्रों और अनुप्रयोगों में नए बीटेक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।

महाराष्ट्र के विकास को प्राधान्य दिया जाएगाः देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र का तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने अपनी पहली पत्रकार वार्ता में कहा कि महाराष्ट्र के विकास को प्राधान्य दिया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने शपथ ग्रहण के बाद पहली मंत्री समूह की बैठक में मेडिकल सहायता फाइल पर हस्ताक्षर कर पुणे के मरीज को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है। आज आजाद मैदान पर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस मंत्रालय पहुंचे। मंत्रालय में फडणवीस का स्वागत किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पहली मंत्री समूह की बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री फडणवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाड़े को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से पांच लाख की सहायता देने की फाइल पर पहला हस्ताक्षर किया और उन्हें पांच

लाख रुपये देने का निर्देश दिया। चंद्रकांत कुरहाड़े की पत्नी ने अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण उपचार के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से वित्तीय सहायता का अनुरोध किया था। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधिमंडल वार्ताहर(पत्रकार) संघ के कार्यालय में जाकर अपने कार्यकाल की पहली पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। इस मौके पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे बदले की राजनीति नहीं करेंगे बल्कि वे महाराष्ट्र को बदलने की राजनीति करेंगे। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी दल को बहुमत के लिए आवश्यक मत नहीं मिला है। लेकिन उनकी सरकार संख्या बल के अनुसार विपक्षी नेता पद का आकलन नहीं करेगी। इस बारे में निर्णय विधानसभा अध्क्षयक्ष को लेना है। वे इस संदर्भ में निर्णय लेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हमें लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तेजी से काम करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अब हम गति बढ़ाएं और गहराई तक जाने का प्रयास करें और सतत विकास कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इस दृष्टि से अच्छे निर्णय लें। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लाडली बहन योजना के तहत सभी बहनों को 2400 रुपये प्रतिमाह देंगे और यह योजना आगे भी जारी रहेगी। इसी तरह उन्होंने जो भी चुनाव से पहले आश्वासन दिया है, उसे पूरा किया जाएगी।

बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी ड्रोन व हेरोइन

एजेंसी

चंडीगढ़। बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र के अंतर्गत अमृतसर व तरनतारन में सर्च ऑपरेशन चलाकर भारी मात्रा में हेरोइन व पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया। सीमावर्ती क्षेत्र में पिछले कई दिनों से घना कोहरा छाया हुआ है। जिसके चलते यहां घुसपैठ की घटनाओं में अचानक वृद्धि हो रही है। कोहरे को देखते हुए पंजाब पुलिस व बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार गुरुवार रात चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान अमृतसर जिले के अंतर्गत पाकिस्तान की सीमा से सटे इलाके से 520 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इसी तरह तरनतारन जिले में चलाए गए ऑपरेशन के दौरान 530 ग्राम हेरोइन तथा एक डीजेआई एआईआर थ्री एस ड्रोन बरामद किया गया है। पाकिस्तान की तरफ से हेरोइन की यह खेप ड्रोन की मदद से भारतीय सीमा में गिराई गई थी।

हमारी सांस्कृतिक विरासत को सिनेमा के माध्यम से भावी पीढ़ियों को कराएं अवगत : राज्यपाल पटेल

एजेंसी

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिनेमा ऑडियो वीडियो की सम्मिलित विधा होने के कारण व्यक्ति के दिल और दिमाग पर गहरा प्रभाव डालता है। आधुनिक सूचना क्रांति के दौर में सिनेमा की शक्ति बहुत बड़ी है। वह थियेटर से निकलकर आज हर व्यक्ति के मोबाइल तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आत्मबल से भावी पीढ़ी को परिचित कराने में सिनेमा बहुत अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है। राज्यपाल पटेल शाम मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो में आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फिल्म महोत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश विदेश से आए फिल्म निर्माण से जुड़े प्रसिद्ध निर्देशक, लेखक, संगीतकार, गीतकार एवं अभिनेताओं से स्थानीय कलाकारों का संवाद लगातार दस वर्षों से कराया जा रहा है। इसी समारोह से स्थानीय युवाओं और कलाकारों को जोड़ने की यह पहल फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार और व्यवसाय के नए अवसरों का निर्माण करेगी। राज्यपाल पटेल ने कहा कि हमारे देश की आजादी

का आंदोलन महान बलिदान और त्याग करने वाले असंख्य महापुरुषों की गाथाओं से भरा पड़ा है। जिसमें सिनेमा इनकी कहानियां बताने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गोंडवाना के राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, भीमानायक, रानी दुर्गावती और टंट्या भील जैसे अमर शहीदों के त्याग और बलिदान की गाथाएं मध्यप्रदेश के लोगों के दिलों में बसी हुई हैं। उन्होंने सभी सम्मानित विभूतियों को बधाई देते हुए स्वस्थ सुखी जीवन की कामना की। इससे पहले राज्यपाल पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर 10वें खजुराहो अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रगान गाया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद वीडी शर्मा, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक अरविंद पटेरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों में कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी ललित शाक्यवार, एसपी अगम जैन, जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, कुलगुरु शोभा तिवारी, एडीएम मिलिंद नागदेवे, एसडीएम बलवीर रमन सहित अन्य अधिकारी एवं आमनागरिक उपस्थित रहे।

गुजरात के कच्छ में फर्जी ईडी रेड गिरोह के 12 सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

भुज/अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की फर्जी टीम बनाकर छापेमारी करने वाले गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपितों में भुज के एक पत्रकार, अहमदाबाद की एक महिला समेत 12 लोग शामिल हैं। इन आरोपितों ने एक ज्वैलर्स और उसके आवास आदि में छामेमारी की तथा 25 लाख रुपये से अधिक कीमत के गहने लेकर फरार हो गए थे। कच्छ में फर्जी ईडी के मामले में पुलिस ने बताया कि बीते दो दिसंबर को पकड़े गए आरोपितों ने गांधीधाम में एक ज्वैलर्स की दुकान, मालिक और उसके भाइयों के आवास पर पहुंचे और खुद को ईडी का अधिकारी बताकर छापेमारी की। इस दौरान पीड़ित के घर में सोना, चांदी और नकदी की जांच की और उनकी जानकारी के बिना 25 लाख 25 हजार 225 रुपये के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। गांधीधाम की ए डिवीजन पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपित भरत मोरवाडिया ने अपने दोस्त देवायत खाचर को बताया कि पांच-छह साल पहले उक्त ज्वैलर्स के यहां आईटी रेड हुई थी और वहां बड़ी

मात्रा में सोना, चांदी और नकदी मिली थी। ज्वैलर्स के पास 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति होने की जानकारी दी गई। इस बात की जानकारी आरोपित देवायत ने भुज के अपने दोस्त और पत्रकार अब्दुल सतार मंजोथी को दी। अब्दुल ने भुज में अपने दोस्तों हितेश ठक्कर और विनोद चुडास्मा से मुलाकात की और उक्त ज्वैलर्स की जानकारी देते हुए फर्जी ईडी की रेड डालने की बात कही। घटना से कुछ दिन पूर्व देवायत खाचर, अब्दुल सतार मंजोथी, हितेश ठक्कर, विनोद चुडास्मा आदिपुर बस स्टेशन के सामने राजवाड़ी चाय होटल में शाम को मिले और फर्जी रेड करने की पूरी योजना बनाई। इसके बाद विनोद चुडासमा ने अहमदाबाद के आशीष मिश्रा से संपर्क किया और उसे रेड करने की साजिश में शामिल कर लिया। पुलिस के मुताबिक आशीष ने चंद्रराज नायर के साथ अजय दुबे, अमित मेहता, निशा मेहता और विपिन शर्मा से मुलाकात की जो फर्जी ईडी अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे। शैलेन्द्र देसाई मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) के कार्यालय अहमदाबाद में अनुवादक के रूप में काम कर रहे थे। योजना के तहत अजय, अमित और विपिन ने ईडी अधिकारियों की भूमिका के लिए सूट पहनने का फैसला किया।

शांति और विकास के लिए विभिन्न समुदायों के बीच एकता जरूरी : उपमुख्यमंत्री

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि शांति और विकास के लिए विभिन्न समुदायों के बीच एकता और विश्वास बहुत महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री भट्टी यहां रविंद्र भारती ऑडिटोरियम में आजादी की लड़ाई में मुस्लिम देशभक्तों के योगदान पर लिखी अंग्रेजी पुस्तक ब्लड स्पीक्स टूः द रोल ऑफ मुस्लिम्स इन इंडिया'ज़ इंडिपेंडेंस का विमोचन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।उपमुख्यमंत्री भट्टी ने कहा कि आजादी की लड़ाई में मुस्लमानों ने पूरा सहयोग दिया था और अंग्रेजों के खिलाफ सबसे अधिक नारे इन्होंने ही दिए थे। पुस्तक के लेखक कादरी ने बहुत मेहनत कर इस किताब को तैयार किया है और जंगे आजादी में हजारों मुस्लमान देशभक्तों के नाम सामने लाएं हैं। इस कार्यक्रम में कई समुदाय के नेता, बुद्धिजीवी वर्ग मंच पर दिखा। यह पुस्तक सैयद

शाहनवाज अहमद कादरी की लिखी है। इस पुस्तक का हिन्दी और उर्दू भाषा में पहले ही प्रकाशित हो चुकी है। इस मौके पर पूर्व सांसद मौलाना ओबेदुल्लाह खान आज़मी ने कहा कि मुसलमानों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना खून बहाया और योगदान दिया, लेकिन आज उन्हीं समुदाय के लोगों को पीटा जा रहा है और उनके घरों को बुलडोज़र चलाया जा रहा है। समाजवादी विचारक रघु ठाकुर ने कहा कि अगर कोई भगत सिंह का नाम लेता है तो अशफाकउल्ला खान के बलिदान का भी जिक्र होना चाहिए। 'ब्लड स्पीक्स टू' ने इस महत्वपूर्ण काम को अंजाम दिया है। इसमें गुमनाम नायकों की भूमिका को उजागर किया है। समारोह में तेलंगाना पीसीसी के सदस्य मोहम्मद जावेद ने कहा कि यह पुस्तक समय की मांग थी, क्योंकि वर्तमान सरकार के कुछ लोग यह दावा करते हैं कि मुसलमानों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अधिक योगदान नहीं दिया। पुस्तक के लेखक सैयद शाहनवाज अहमद कादरी ने कहा कि गहन शोध के बाद लिखी गई पुस्तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक कथाओं में मुसलमानों के लंबे समय से हो रहे हाशियाकरण को चुनौती देती है। इसमें लगभग 2,400 मुस्लिम देशभक्तों ने नाम हैं,जिन्होंने अपना सर्वस्य कुर्बान किया या अंग्रेजों के अत्यार झेले। ब्लड स्पीक्स टू भारत की स्वतंत्रता के अध्ययन के लिए एक अद्वितीय दस्तावेज है।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ मुखर हुए तृणमूल के छह विधायक, ममता को पत्र लिख कर की शिकायत

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाते हुए तृणमूल के छह विधायकों ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से शिकायत की है। शिकायत करने वालों में महुआ के संसदीय क्षेत्र के पांच विधायकों और उनके पूर्व विधानसभा क्षेत्र करीमपुर के विधायक शामिल हैं। ममता को लिखे पत्र में करीमपुर के विधायक बिमलेंदु सिंहराय, चापड़ा के रुकबानुर रहमान, नकाशीपाड़ा के कल्लोल खां, पलाशीपाड़ा के माणिक भट्टाचार्य, कृष्णनगर दक्षिण के उज्ज्वल विश्वास और कलिगंज के नसीरुद्दीन अहमद ने हस्ताक्षर किए हैं। इन विधायकों का दावा है कि महुआ उन्हें नजरअंदाज कर ब्लॉक अध्यक्षों और बूथ अध्यक्षों के तबादले कर रही हैं। इसके साथ ही विपक्षी गुटों को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यक क्षेत्रों में विवादास्पद लोगों के साथ गतिविधियों में शामिल होने जैसे मुद्दे शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, महुआ पर यह भी आरोप है कि वह वर्तमान विधायकों को दरकिनार कर 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए नए उम्मीदवारों को बढ़ावा देने की योजना बना रही हैं। इसके अलावा, पार्टी के कार्यक्रमों में उनकी गैरमौजूदगी और विधायकों के खिलाफ कार्रवाई को बढ़ावा देने का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि इस बाबत ममता और महुआ की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

गीता जयंती महोत्सव में शामिल हुए उत्तराखंड के राज्यपाल

एजेंसी

चंडीगढ़। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) कुरुक्षेत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं कुरुक्षेत्र विकास मंडल द्वारा आयोजित किए खा रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि गीता की इस पावन धरती पर आकर दिव्यता, भव्यता और पूर्णता की अनुभूति हो रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित 18 दिन के अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से गीता के उपदेश विश्वभर में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि गीता धार्मिक, नैतिक

और जीवन दर्शन का अद्भुत ग्रन्थ है। राज्यपाल ने कहा कि विश्व की बड़ी से बड़ी समस्या हो या हमारे मन की कोई शंका या जिज्ञासा, इन सभी का समाधान गीता में समाहित है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता को पूरे विश्व की धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात को सिद्ध किया है कि यदि गीता को अपना मार्गदर्शक बनाया जाए तो सबका साथ सबका विकास के भाव से, समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि कुरुक्षेत्र की यह धरती हमें याद दिलाती है कि जब भी जीवन में संदेह और उत्कंठा की स्थिति हो, तब गीता ही है, जिसका ज्ञान हमें सही राह दिखा सकता है। गीता केवल एक ग्रन्थ नहीं, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन का सार है। यह ग्रंथ समस्त मानव जाति को कर्म, धर्म और जीवन के कर्तव्यों का बोध कराते हुए सही राह पर चलने की सीख देता है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' गीता का यह संदेश हमें बताता है कि हम कर्म करने में स्वतंत्र हैं, लेकिन फल की चिंता किए बिना अपने धर्म का पालन करें। ये विचार हमें अपने जीवन को सार्थक बनाने के साथ ही समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का सार यह है कि जीवन में मनुष्य को अपने कर्तव्यों का पालन निष्काम भाव से करते रहना चाहिए, यानी कर्म करते समय फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि गीता पूरी मानवता के लिए एक जीवन-संहिता और आध्यात्मिक दीप-स्तंभ भी है। गीता हमें कर्म करने और फल की चिंता न करने की सीख देती है। निःस्वार्थ कर्म करना ही जीवन का सही मार्ग है। उन्होंने कहा कि कर्म करने से ही जीवन सार्थक हो जाता है, सुख-दुःख में समान रहना, लाभ-हानि को समान भाव से स्वीकार करना, मान-अपमान से विचलित न होना और सभी परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना, यही गीता का महान संदेश है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता विपरीत परिस्थितियों में उत्साहवर्धन और निराशा में आशा का संचार करने वाला ग्रंथ है।

गुरुदर्शन के लिए बेहद खास है शुक्रवार और शनिवार के दिन, पृथ्वी के पास आ रहा है बृहस्पति ग्रह

एजेंसी

भोपाल। खगोल विज्ञान में रुचि खरने वाले लोगों के लिए अगले दो दिन बहुत ही खास होने जा रहे हैं। शुक्रवार, 6 दिसम्बर और शनिवार, 7 दिसम्बर की शाम आकाश में बेहद खास खगोलीय घटना दिखने जा रही है, जिसमें सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह जुपिटर या बृहस्पति इस साल के लिए पृथ्वी के सबसे नजदीक आकर सबसे तेज चमक के साथ अपेक्षाकृत बड़ा दिखने जा रहा है।

नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने इस खगोलीय घटना के संबंध में बताया कि शुक्रवार को जुपिटर इस साल पृथ्वी के सबसे नजदीक होगा। इस घटना को जुपिटर एट पेरिजी कहते हैं। इस समय जुपिटर की पृथ्वी से दूरी लगभग 61 करोड़ 17 लाख 61 हजार किमी होगी। इस तरह गुरुदर्शन का यह सबसे अच्छा अवसर होगा, जबकि इसे पास होने के कारण सबसे अधिक चमकीला और अपेक्षाकृत बड़ा देख पाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस घटना के अगले दिन शनिवार, 7 दिसम्?बर को जुपिटर एट अपोजीशन की खगोलीय घटना होने जा रही है। इसमें सूर्य की परिक्रमा करती हुई पृथ्वी इस स्थिति में आ जाएगी कि पृथ्वी के एक ओर सूर्य होगा तो दूसरी ओर जुपिटर। इस तरह जुपिटर, पृथ्वी और

सूर्य एक सरल रेखा में होंगे। सारिका ने बताया कि आप जुपिटर को शाम को चमकते हुए पूर्व दिशा में देख सकते हैं, लेकिन अगर आप टेलिस्कोप से देखेंगे तो इसकी डिस्क की पट्टिकाओं तथा इसके मून को भी देख पाएंगे। इस घटना के समय जुपिटर माइनस 2.8 के मैग्नीटयूड से चमक रहा होगा।

गीता भारत के सांस्कृतिक इतिहास की विरासतः आरिफ मोहम्मद खान

एजेंसी

चंडीगढ़। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि गीता भारत के सांस्कृतिक इतिहास की विरासत है। यह सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का ग्रंथ है। इसमें भारतीय एकता एवं अखंडता का स्वरूप दिखाई देता है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में गीता का महत्वपूर्ण योगदान है। आवश्यकता है गीता के पर्यावरण संरक्षण संदेश को पूरे विश्व तक पहुंचाने की। गीता उपनिषदों, वैदिक ग्रंथों का सार है। ये उद्गार गुरुवार को केरल राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ऑडिटोरियम हॉल में 'श्रीमद्भगवद् गीता आधारित संतुलित प्रकृति-शुद्ध पर्यावरण' विषय पर आयोजित 9वें तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन में व्यक्त किए। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि गीता पूरे विश्व को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। गीता सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का ऐसा ग्रंथ है जिसके माध्यम से मानव जीवन से जुड़ी हुई सभी समस्याओं का समाधान निहित है। इससे पहले राज्यपाल एवं अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन किया गया व गीता सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि केन्द्र सरकार गीता के संदेश का निर्वहन करते हुए 2035 तक सौर ऊर्जा के माध्यम से 6000 मेगावाट बिजली उत्पादन कर कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हरियाणा सरकार भी सौर ऊर्जा के माध्यम से कार्बन के उत्सर्जन पर नियंत्रण कर पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि अपनी सामाजिक समस्याओं के निवारण के लिए गीता का पाठ अवश्य करें। सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि गीता सम्पूर्ण मानवता के जीवन दर्शन का सार है।

देश है तो धर्म है, धर्म है तो हम सबः योगी

एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामर्थ्य के अनुसार देश व धर्म के लिए कुछ करने के साथ ही समाज और हर एक को जोड़ने की आवश्यकता है। देश है तो धर्म है, धर्म है तो हम सब हैं। हमारा ध्येय सनातन धर्म की रक्षा और भारत को विकास के परम वैभव तक पहुंचाने का होना चाहिए। सीएम ने जाति के नाम पर बांटने वालों से बचने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जानकी महल में आयोजित श्रीरामजानकी विवाह उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार का भव्य आयोजन आज जनकपुर धाम में भी हो रहा है। छह वर्ष

पूर्व भारत व यूपी सरकार के योजनान्तर्गत विवाह पंचमी पर जनकपुर धाम में जाने और मां जानकी के भव्य मंदिर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। आज जानकी महल में विवाह पंचमी कार्यक्रम में फिर से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहाकि श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान इसे नई ऊंचाई तक पहुंचाने में यह महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु था। मेरे पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज रामजन्मभूमि आंदोलन से संबंधित किसी महत्वपूर्ण बैठक या आंदोलन के लिए आते थे तो अक्सर वे रात्रि विश्राम जानकी महल में ही करते थे। यह अनेक पूज्य संतों व आयोजनों का केंद्र बिंदु रहा है। सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष बहुत महत्वपूर्ण रहा। जब 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के करकमलों से अयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम लला के रूप में विराजमान हो चुके हैं। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया में कोई भी ऐसा सनातन धर्मावलंबी नहीं था, जो उस क्षण से वंचित हुआ हो। कोई यहां उपस्थित हुआ तो किसी ने श्रव्य-दृश्य माध्यम से उस पल को देखा-सुना। 500 वर्ष तक चले संघर्षों का सामना करते-करते कई पीढ़ियां चली गईं, लेकिन यह सौभाग्य हमारे भाग्य में था कि फिर से भव्य मंदिर में रामलला को विराजमान होते हमने देखा है।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

बीबीएल 14 : चोटों ने बढ़ाई टीमों की चिंता

एजेंसी

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) के नए सत्र की शुरुआत में अब केवल एक सप्ताह का समय बचा है, हालांकि खिलाड़ियों की चोटों ने टीमों की चिता बढ़ा दी है। तीन टीमों के कप्तान बीबीएल 14 के शुरुआती मैच के लिए फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि कई अन्य चोटों से ऊबरने में लगे हैं। र्थ स्कॉर्चर्स के कप्तान एश्टन टर्नर पर सबसे ज्यादा संकट मंडरा रहा है, क्योंकि सप्ताहांत में क्लब टीम फ्रेमैंटल के लिए बल्लेबाजी करते हुए उन्हें चोट लग गई, जबकि सिडनी सिक्सर्स के मोइसेस हेनरिक्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के विल सदरलैंड पिछले दो शेफील्ड शील्ड खेलों में नहीं खेल पाए हैं और बीबीएल ब्रेक से पहले शुक्रवार के अंतिम राउंड में भी नहीं खेल पाएंगे।टर्नर की अनुपस्थिति पांच बार की चैंपियन के लिए एक बड़ा झटका होगी, क्योंकि पिछले सीजन में इस ऑलराउंडर को टूर्नामेंट की पहली गेंद पर घुटने में चोट लगने के कारण अधिकांश मैच खेलने से चूकना पड़ा था। 31 वर्षीय टर्नर ने स्कॉर्चर्स के अभियान के अंतिम आठ मैचों में भाग नहीं लिया था, क्योंकि नॉकआउट फाइनल में उन्हें अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने एडिलेड स्ट्राइकर्स ने हरा दिया थापर्थ को बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज़ी ऑलराउंडर कूपर कोनोली और एश्टन एगर की जोड़ी की भी कमी खल सकती है, क्योंकि तीसरे वनडे में मोहम्मद हसनैन की गेंद पर कोनोली का बायां हाथ टूट गया था, जबकि एगर को विक्टोरिया के खिलाफ़ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शील्ड मैच में फील्डिंग करते समय एसी जॉइंट में मोच आ गई थी।

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे ओलंपिक चैंपियन किन हैयांग

बीजिंग। ओलंपिक चैंपियन किन हैयांग और रजत पदक विजेता तांग क्विंटिंग 10 से 15 दिसम्बर तक होने वाली विश्व एक्वेटिक्स तैराकी चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाली चीन की 33 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे।पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 4×100 मीटर मेडले रिले के स्वर्ण पदक विजेता किन अपनी पसंदीदा ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जबकि महिलाओं की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और मिश्रित 4×100 मीटर मेडले रिले में दो रजत पदक जीतने वाली तांग कियान्टिंग 50 मीटर और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में भाग लेंगी।13 वर्षीय झोउ यानजुन और लू शिंगचेन 18 महिला तैराकों में सबसे कम उम्र की हैं, जबकि 16 वर्षीय चेन शेंगक्सिन और ली ताइयु पुरुष वर्ग में सबसे कम उम्र के हैं। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप से अनुपस्थित रहने वाले उल्लेखनीय तैराकों में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के विश्व रिकार्ड धारक पान झानले और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झांग यूफेई शामिल हैं।

निशानेबाजी, हॉकी, भारोत्तोलन युवा ओलंपिक 2026 से बाहर

नई दिल्ली। भारत की पदक संभावनाओं को बड़ा झटका देते हुए, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने सेनेगल के डकार में होने वाले 2026 युवा ओलंपिक खेलों की सूची से निशानेबाजी, भारोत्तोलन और हॉकी को हटा दिया है। निशानेबाजी, भारोत्तोलन और हॉकी को 10 गैर-पदक खेलों में शामिल किया गया है, जो युवा ओलंपिक में संलग्नता कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में 2018 के युवा खेलों में, भारत ने 13 पदक (तीन स्वर्ण, नौ रजत और एक कांस्य) जीते थे, जिनमें से निशानेबाजी ने चार पदक (दो स्वर्ण और दो रजत) दिलाए थे, जबकि हॉकी के हिस्से में दो रजत और भारोत्तोलन का योगदान एक स्वर्ण था। पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने लड़कियों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण और मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था।3 दिसंबर को लुसाने में अपनी बैठक में, आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने 31 अक्टूबर से 13 नवंबर, 2026 तक आयोजित होने वाले 2026 युवा ओलंपिक खेलों (वाईओजी) के लिए प्रतियोगिताओं और एथलीट कोटा की पुष्टि की है। युवा ओलंपिक में 15 से 18 वर्ष की आयु के एथलीट भाग लेंगे। आईओसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ... यह निर्णय लिया गया कि डकार 2026 में सभी 35 अंतरराष्ट्रीय महासंघों (आईएफ) की आधिकारिक भागीदारी को बनाए रखा जाएगा, जिसमें 25 खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होंगे और 10 खेल सहभागिता कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

सब जूनियर नेशनल वूमेन हॉकी प्रतियोगिता: मिजोरम को 3-2 हराकर फाइनल में पहुंची मप्र की टीम

भोपाल। सब जूनियर नेशनल वूमेन हॉकी प्रतियोगिता 2024 का आयोजन 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक सिकंदराबाद तेलंगाना में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का सेमीफायनल मुकाबला मध्य प्रदेश और मिजोरम के मध्य खेला गया। इसमें मध्य प्रदेश की बालिका हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन कर मिजोरम की टीम को 3-2 के करीबी अंको से परास्त कर फायनल मुकाबले में जगह बनाई। मध्य प्रदेश की तरफ से नाज नोशिन ने 13वें मिनिट में, रूबी राठौर ने 32 मिनिट में और तन्वी 56वें मिनिट में गोल किया। मिजोरम की टीम से रूथी लालावमजुअली ने तीसरे मिनिट में और कप्तान लालतलानचंगी ने 52 वें मिनिट में गोल किया। मध्य प्रदेश ने तन्वी के गोल से बढ़त बनाते हुये फायनल मुकाबले में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की टीम मुख्य प्रशिक्षक परमजीत सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है। प्रतियोगिता का फायनल मुकाबला दोपहर एक बजे मध्य प्रदेश और झारखण्ड की टीम के मध्य खेला जायेगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मप्र बालिका हॉकी टीम के फायनल मुकाबले में पहुंचने पर खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये।

हैरी ब्रूक के शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में बनाई पकड़

एजेंसी

वेलिंग्टन। हैरी ब्रूक (123) बेहतरीन शतकीय, ऑली पोप (66) की अर्धशतकीय पारियों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन 280 के स्कोर के बाद न्यूजीलैंड के पहली पारी में 86 रन पर पांच विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

इंग्लैंड के 280 के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और छठे ओवर में गस ऐटकिंसन ने डेवन कॉन्वे (11) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। 15वें ओवर में बेन स्टोक्स ने टॉम लेथम (17) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। इसके बाद रचिन रविंद्र (तीन), केन विलियमसन (37) और डैरिल मिचेल (छह) रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने 86 रन पर पांच विकेट गवां दिये थे और

विलियम ओरूर्क (नाबाद शून्य) और टॉम ब्लंडल (नाबाद सात) क्रीज पर मौजूद थे। न्यूजीलैंड अभी इंग्लैंड की पहली के आधार पर 194 रन पीछे है। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स, गस ऐटकिंसन और बेन स्टोक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 43 के स्कोर तक अपनी चार विकेट गवां दिये थे। बेन डकेट (शून्य), जैक क्रॉली (17), जो रूट (तीन) और जेकब बेथेल (16) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद हैरी ब्रूक और ऑली पोप ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिये 173 रन जोड़े। विलियम ओरूर्क ने ऑली पोप (66) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कप्तान बेन स्टोक्स (दो) रन बनाकर आउट हुये। 53वें ओवर में नेथन स्मिथ ने हैरी ब्रूक (123) को रनआउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड बल्लेबाज अधिक देर नहीं टिक पाये। गस ऐटकिंसन (चार), क्रिस वोक्स (18) और ब्राइडन कार्स (नौ) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड की ओर से नेथन स्मिथ ने चार विकेट लिये। विलियम ओरूर्क को तीन विकेट मिले। मैट हेनरी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

उत्तर प्रदेश की रूपल व अभया ने महिला डबल स्कल्स में जीता कांस्य पदक

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की रूपल यादव व अभया भारती ने 7वीं इंटर स्टेट रोइंग चैंपियनशिप में महिला डबल स्कल्स में कांस्य पदक अपने नाम किया। पुणे के आर्मी रोइंग नोड में एक दिसंबर से खेली जा रही चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश यूथ रोइंग टीम में शामिल यूपी की जोड़ी ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन 08:57.1 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही।

उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि इस स्पर्धा में केरल की अनश्वरा अजीत व हरिप्रिया विनेश ने 08:08.9 के समय के साथ स्वर्ण व ओडिशा की धनश्री भास्कर सिंह व अक्षरदा निगाल ने 08ः13.8 के समय के साथ रजत पदक जीता।

दिल्ली ने अरुणाचल प्रदेश को 10 विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी

मुंबई । आयुष सिंह (चार विकेट) के बाद प्रियांश आर्य (नाबाद 54) और यश ढुल (नाबाद 35) की तूफानी पारियों की बदौलत दिल्ली ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ग्रुप सी के मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश को 83 गेंदें शेष रहते 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। 90 रनों के लक्ष्य के लिए दिल्ली की प्रियांश आर्य और यश ढुल की सलामी जोड़ी ने ताबड़तोड़ शुरुआत करते हुए महज 6.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 92 रन बनाकर 10 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। आयुष सिंह ने 21 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 54) रनों की पारी खेली। वहीं यश ढुल ने 16 गेंदों में पांच चौके और दो छक्को की मदद से (नाबाद 35) रन बनाये। इससे पहले आज अरुणाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अरुणाचल प्रदेश की टीम की शुरुआत खराब रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां

दिये। नबाम हचांग (चार) और कारा हकाप (एक)रन बनाकर आउट हुये। सिद्धार्थ बलोदी और टी दोरिया ने तीसरे विकेट के लिय 67 रनों की साझेदारी की। आयुष बदोनी ने सिद्धार्थ बलोदी (36) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी 76 के स्कोर पर अरुणाचल प्रदेश ने अपने तीन विकेट गवांये। टी दोरिया (32) रन बनाकर आउट हुये। अरुणाचल प्रदेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 89 रन ही बना सकी।दिल्ली के लिए आयुष सिंह ने चार विकेट लिये। हिमांशु चौहान, दिग्वेश राठी और आयुष बदोनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुजरात ने कर्नाटक को 48 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी

इंदौर । आर्य देसाई (76) और कप्तान अक्षर पटेल (नाबाद 56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद रवि बिश्नोई (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी के मुकाबले में कर्नाटक को 48 रनों से शिकस्त दी। रवि बिश्नाई सहित गुजरात के अन्य गेंदबाजों ने 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक को 19.1 ओवर में 203 रनों पर समेट कर मुकाबला 48 रनों से जीत लिया। कर्नाटक के लिए कप्तान मयंक अग्रवाल ने (45), आर स्मरण (49), मनीष पांडे (30), कृष्णन श्रीजीत (26), मक्नील नोरोन्हा (14) और मानवंत कुमार (13) रन बनाकर आउट हुये। गुजरात की ओर से रवि बिश्नाई ने तीन विकेट लिये। अक्षर पटेल और अरज़ान नागवासवाला को दो-दो विकेट मिले। विशाल जायसवाल और अभिषेक देसाई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर कर्नाटक ने पहले गेंदबाजी करने का

फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 251 रन का स्कोर खड़ा किया। आर्य देसाई (76), अभिषेक देसाई (47), उर्विल पटेल (33) और हेमांग पटेल (30)रन बनाकर आउट हुये। कप्तान अक्षर पटेल (56)रन बनाकर नाबाद रहे। कर्नाटक की ओर से वासुकी कौशिक और मनोज भंडागे ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। विद्याधर पाटिल को एक विकेट मिला।

झारखंड और मप्र के बीच होगा सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला

एजेंसी

सिकंदराबाद। 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में झारखंड ने ओडिशा तथा मध्य प्रदेश ने मिजोरम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।दक्षिण मध्य रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आरआरसी ग्राउंड, रेल निलयम में आयोजित चैंपियनशिप के पहले सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश ने हॉकी मिजोरम को 3-2 से हराया। हालांकि रूथी लाललामजुअली ने (तीसरे मिनट) में मिजोरम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मध्य प्रदेश ने नाज नौशीन ने (13वें) और रूबी राठौर ने (32वें) मिनट में के गोल से बढ़त हासिल कर ली। कप्तान लालतलांचुंगी ने (52वें मिनट) में चौथे क्वार्टर में मिजोरम के लिए बराबरी का गोल किया। इसके

बाद तन्वी ने (56वें मिनट) आखिरी क्षणों में गोल कर मध्य प्रदेश को फाइनल में पहुंचा दिया।

दूसरे सेमीफाइनल में झारखंड ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को शूटआउट में हराया। चार क्वार्टर में बराबरी के बाद 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद हुए शूटआउट में झारखंड ने (3-2) मुकाबला जीता। मांझी पुष्पा ने (8फीसदी) ने शुरुआती गोल करके हॉकी झारखंड को बढ़त दिलाई। अंजना ज़ाक्सा (45वें) ने एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के पेनल्टी कॉर्नर से सफलतापूर्वक गोल करके गेम को बराबर कर दिया।

अगले दो क्वार्टर में दोनों पक्षों द्वारा गोल न कर पाने के बाद गेम शूटआउट में चला गया। हेमरोम लियोनी, रीना कुल्लू और अनुप्रिया सोरेंग के सफल गोल की बदौलत झारखंड ने शूटआउट 3-2 से जीत लिया। झारखंड और मध्यप्रदेश के बीच फाइनल मुकाबला शुक्रवार को दोपहर एक बजे खेला जायेगा। वहीं मिजोरम और एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के बीच तीसरा/चौथा स्थान के लिए मैच होगा।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे तीन भारतीय भारोत्तोलक

एजेंसी

मनामा। तीन सदस्यीय भारतीय टीम (सभी महिलाएं) बहरीन के मनामा में शुरू होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। आज से 16 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक्शन में नहीं दिखेंगी क्योंकि वह अपनी चोटों से लंबे समय तक पुनर्वास पर नजर रख रही हैं। उन्होंने आखिरी बार 2024 के पेरिस ओलंपिक में खेला था, जहां वह चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गई थीं। मीराबाई कीअनुपस्थिति में, उभरती हुई ज्ञानेश्वरी यादव महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप स्तर पर रजत पदक विजेता भी हैं और उन्होंने पिछले साल 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वह चैंपियनशिप में अपने वर्ग के ग्रुप ए में एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक हैं। दूसरी भारतीय कॉमनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी हैं, जो महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग के ग्रुप बी में खेल रही हैं, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग है। दूसरी ओर, डिटिमोनी सोनोवाल 64 किलोग्राम के ग्रुप सी में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग भी है। इस बार इस प्रतियोगिता में भारत से कोई पुरुष प्रतियोगी नहीं होगा।

आयरलैंड की महिला टीम ने बंगलादेश को 12 रन से हराया

एजेंसी

सिलहट। कप्तान गैबी लुईस (60),ली पॉल (नाबाद 79) की शानदार पारियों के बाद ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 12 रनों से शिकस्त दी। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए दिलारा अख्तर और शोभना मोस्तारी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 103 रन जोड़े। 12वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने शोभना मोस्तारी (46) को आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। 14वें ओवर मे आर्लीन केली ने कप्तान निगार सुल्ताना (चार) को अपना शिकार बनाया। इसी ओवर में केली ने दिलारा अख्तर (49) को भी आउट कर दिया। एमी मग्वायर की गेंद पर एमी हंटर ने ताज नेहर (19) को स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। 17

ओवर में बंगलादेश के पांच विकेट पर 152 रन थे, लेकिन आयरलैंड के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बंगलादेश को निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 157 के स्कोर पर रोक कर मुकाबला 12 रनों से जीत लिया। आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने तीन-तीन विकेट लिये। एमी मग्वायर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां आयरलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ही ओवर में जहांआरा आलम ने एमी हंटर (10) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान गैबी लुईस और ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में जन्नतउल फरदूस ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (11) को बोल्ड कर बंगलादेश को दूसरी सफलता दिलाई। गैबी लुईस और ली पॉल के बीच तीसरे विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी हुई। फरीह तृस्ना ने गैबी लुईस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। गैबी लुईस ने 42 गेंदों में 60 रन बनाये।

ली पॉल ने 42 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 79) रन बनाये। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से जहांआरा आलम, फरीह तृस्ना,जन्नतउल फरदूस और नाहिदा अख्तर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सीपीएसएफआई के एथलीटों ने वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स 2024 में अब तक जीते 6 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। सेरेब्रल पाल्सी स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीपीएसएफआई) के एथलीटों ने थाईलैंड के नाखोन रत्चासिमा में आयोजित 2024 वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। सीपीएसएफआई के एथलीटों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक सहित छह पदक जीते हैं।

इसमें 18 वर्षीय भविष्य कुमार का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है, जिन्होंने 38.3 मीटर की दूरी तक चक्का फेंककर स्वर्ण पदक जीता। सीपीएसएफआई प्रतिनिधिमंडल के टीम मैनेजर पंकज गुप्ता ने कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और कम से कम 15 पदक की उम्मीद है। सीपीएसएफआई की

महासचिव कविता सुरेश ने केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और राज्य खेल विभाग को उनके निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।2024 के विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 1 से 7 दिसंबर तक आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व एबिलिटीस्पोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 23 वर्ष या उससे कम आयु के एथलीटों को द्विवार्षिक बहु-खेल खेल प्रदान करता है और अक्सर उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का पहला अनुभव प्रदान करता है। युवा खेल दुनिया भर में शारीरिक रूप से अक्षम युवा एथलीटों के विकास में मदद करते हैं, पैरालंपिक आंदोलन के विभिन्न मार्गों में उनके विकास को बढ़ावा देते हैं।

दुनिया भर के देशों में वैकल्पिक वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाले अद्वितीय खेल वातावरण, युवा एथलीटों को टीम-वर्क और खेल के अनुभव के साथ-साथ पैरालंपिक खेलों के लिए आवश्यक चुनौतियों और अनुशासन का व्यापक ज्ञान प्रदान करते हैं।

जयपुर पिंक पैंथर्स और यू मुंबा ने खेला सीजन का 10वां रोमांचक टाई

एजेंसी

पुणे। जयपुर पिंक पैंथर्स और यू मुंबा के बीच बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेला गया प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन का 94वां मैच 22-22 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने दूसरा और सीजन का कुल 10वां टाई खेला। इस टाई ने मुंबा को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। यह मुकाबला पूरी तरह डिफेंस के नाम रहा, जहां जयपुर ने 16 और मुंबा ने 11 टैकल प्वाइंट लिए। जयपुर के लिए रेजा मीरबघेरी (6) और रौनक सिंह (4) टाप स्कोरर रहे, जबकि मुंबा के लिए डिफेंडर सोमवीर ने सात अंक बटोरे। इस मुकाबले में अर्जुन देसवाल जैसा रेडर सिर्फ एक अंक ले सका।मैच में मुंबा ने अच्छी शुरुआत करते हुए चार मिनट में 3-1 की लीड बना ली थी, लेकिन जयपुर ने जल्द ही 3-3 की बराबरी कर ली। इसके बाद सोमवीर ने नीरज को डैश कर मुंबा को फिर आगे कर दिया। इस बीच लकी ने डू ओर डाई रेड पर मंजीत को लपक स्कोर 4-4 कर दिया। बहरहाल, 10 मिनट की समाप्ति तक मुंबा ने 6-4 की लीड बना रखी थी। ब्रेक के बाद जयपुर ने लगातार दो अंक लेते हुए स्कोर 6-6 कर दिया। इसके बाद जयपुर ने मुंबा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया, लेकिन सोमवीर ने नीरज को सुपर टैकल कर मुंबा को 8-7 से आगे कर दिया। खास बात यह थी कि 15 मिनट बाद भी अर्जुन का खाता नहीं खुला था, क्योंकि डिफेंस डामिनेट कर रहा था।इस बीच मंजीत ने डू ओर डाई रेड पर रौनक को आउट कर मुंबा को 9-7 से आगे कर दिया। हाफटाइम के बाद नीरज ने रिंकू को गच्चा

दिया, लेकिन अंकुश ने रोहित की अगली रेड पर गलती कर दी। फिर नीरज ने बोनस लेकर स्कोर 10-13 कर दिया। जयपुर के लिए अभी भी सुपर टैकल आन था। रौनक ने रोहित का शिकार कर स्कोर 12-13 कर दिया। इसके बाद जयपुर ने 14-13 की लीड ली लेकिन मुंबा ने फिर स्कोर बराबर कर दिया।तीस मिनट के खेल के बाद स्कोर 15-15 था और अर्जुन का खाता नहीं खुला था, क्योंकि मुंबा का डिफेंस गलतियां नहीं कर रहा था। अर्जुन ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर सोमवीर को बाहर कर खाता खोल लिया, लेकिन अगली रेड पर रिंकू ने उनका शिकार कर लिया।

मुंबा 17-16 से आगे हो गए थे। फिर परवेज ने नीरज को लपक सुपर टैकल आन कर दिया मंजीत डू ओर डाई रेड पर गए और रेजा ने लपक लिया। स्कोर 18-18 हो गया, लेकिन अजीत ने अंकुश को आउट कर मुंबा को आगे कर दिया। फिर श्रीकांत के असफल रेड ने मुंबा को 2 अंक से आगे कर दिया, लेकिन रेजा और रौनक ने एक और सुपर टैल क साथ स्कोर 20-20 कर दिया। रेजा ने अपना हाई-5 पूरा किया।इसके बाद रौनक और रेजा ने अजीत को फिर सुपर टैकल कर जयपुर को 22-21 की लीड दिला दी। रोहित ने हालांकि स्कोर बराबर कर दिया। रोहित आखिरी रेड पर गए और खाली हाथ लौटे। इस तरह दोनों टीमों ने सीजन का 10वां टाई खेला।

दिल्ली में बड़े व्यापारी के घर नाचे शाहरुख खान, सारा अली खान और नोरा फतेही भी जमकर थिरकीं

शाहरुख खान जब कभी भी किसी इवेंट या फंक्शन में शामिल होते हैं तो वो अपने अंदाज से उस महफिल को अपने नाम कर लेते हैं. एक बार फिर से ऐसा ही हुआ है. हाल ही में वो दिल्ली में एक फंक्शन में शामिल हुए और उस दौरान उन्होंने अपने कई हिट गाने पर जमकर डांस किया. उनके अलावा नोरा फतेही और सारा अली खान भी उस महफिल में शामिल हुईं.

अब डांस करते शाहरुख, नोरा और सारा के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ये तीनों दिल्ली में एक व्यापारी के घर में शादी में शामिल हुए, जहां इन्होंने महफिल लूट ली और चार चांद लगा दिए.

शाहरुख खान ने इन गानों पर किया डांस

शाहरुख खान एक वीडियो में अपनी कल्ट फिल्म 'दिल से' के गाने 'छैय्या छैय्या' पर थिरकते नजर आ रहे हैं. उनके साथ स्टेज पर और भी कई लोग नजर आ रहे हैं और सभी शाहरुख का साथ दे रहे हैं. इसके अलावा एक दूसरे वीडियो में शाहरुख 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' पर डांस करते दिख रहे हैं. इन वीडियोज में उनका लुक भी काफी शानदार लग रहा है.

सारा अली खान इस दौरान स्टेज पर 'लड़की आंख मारे' गाने पर डांस करती दिख रही हैं. वहीं नोरा फतेही ने भी जमकर डांस किया. वो 'नाच मेरी रानी' गाने पर परफॉर्म करती दिखीं.

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्में

बहरहाल, अगर शाहरुख के प्रोफेशनल लाइफ पर नजर डालें तो वो इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' पर बिजी चल रहे हैं. ये फिल्म साल 2026 में रिलीज होने वाली है. इसमें उनके साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आने वाली हैं. ये सुहाना की सिल्वर स्क्रीन डेब्यू फिल्म है. वहीं इसके अलावा शाहरुख इन दिनों एक और फिल्म को लेकर चर्चा में चल रहे हैं. वो फिल्म है 'मुफासा', जो अमेरिकन एडवेंचर-म्यूजिकल पिक्चर है. स्रूख ने इस फिल्म में मुफासा के कैरेक्टर को आवाज दी है. ये पिक्चर इसी साल 20 दिसंबर को आ रही है.

महलों सा सजा है अनन्या पांडे का घर

बी-टाउन एक्ट्रेस और चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे अपनी फिल्मों से ज्यादा लुक के लिए मशहूर रहती हैं. वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फोटोज के जरिए फैंस का ध्यान आकर्षित करती रहती हैं. कम उम्र में अनन्या ने बहुत सफलता हासिल कर ली है. पिछले साल अभिनेत्री ने मुंबई में

किसी महल से कम नहीं अनन्या का घर

अपना पहला अपार्टमेंट खरीदा था. एक्ट्रेस का अपार्टमेंट उसी बिल्डिंग में है, जहां उनके पैरेंट्स रहते हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे ने अपने घर की एक झलक दिखाई. चलिए देखते हैं.एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अपने घर के साथ इमोशनल अटैचमेंट के बारे में बात की. इस दौरान चंकी पांडे भी मौजूद थे और उन्होंने बताया कि इस घर में उन्होंने अपना बचपन बिताया. अनन्या ने बताया कि वो पहली मंजिल पर ज्वाइंट फैमिली में रहती थीं और उनके पास तीन अलग-अलग अपार्टमेंट थे. हमारे परिवार में ओपन डोर फैमिली पॉलिसी थी, क्योंकि मेरी दादी को दरवाजे बंद करना पसंद नहीं था.

पूरी तरीके से मॉर्डन है अनन्या का घर

वीडियो में चंकी पांडे ने अपने घर को विस्तार से दिखाया है, जिसमें सबसे खूबसूरत एक शीशे की खिड़की है, जिसके चारों तरफ खूब हरियाली है. उनका घर खूब खुला हुआ और मॉर्डन तरीके से बनाया गया है. घर में परिवार की खूबसूरत तस्वीरें लगी हुई हैं. कमरे में खूबसूरत से पौधे सजाए गए हैं और बाहर की ओर बड़ी सी बालकनी है.

गौरी खान ने डिजाइन किया अनन्या का घर

अनन्या पांडे का अपार्टमेंट शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने डिजाइन किया है. आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट इंडिया के साथ पहले के एक इंटरव्यू में अनन्या ने अपने घर पर गौरी के साथ काम करने के बारे में बात की. अनन्या ने कहा था, गौरी खान मेरे घर के लिए बहुत, बहुत खास हैं, क्योंकि वो मेरे लिए परिवार की तरह हैं.

कौन हैं फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल शिवांकिता दीक्षित? जिन्हें ठगों ने Digital Arrest कर लगाया हजारों का चूना

डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुईं फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल

डिजिटल दुनिया होने के चलते जितना हमें फायदा हुआ है, उतना ही उसका नुकसान देखने को मिल रहा है. ठग लोगों को आसानी से साइबर क्राइम का शिकार बना लेते हैं और लाखों रुपये की चपत लगा देते हैं. कुछ ऐसा ही एक मामला फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल रहीं शिवांकिता दीक्षित के साथ देखने को मिला है. शिवांकिता को ठगों ने दो घंटे तक डिजिटल अरेस्ट में रखा और उनको 99 हजार रुपये का चूना लगाया. शिवांकिता ने इस मामले की शिकायत साइबर क्राइम सेल में की है.शिवांकिता दीक्षित मूल रूप से आगरा की रहने वाली हैं. शिवांकिता ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया वेस्ट बंगाल का खिताब अपने नाम किया था. इससे पहले शिवांकिता 2015 में कोहिनूर-ए-ताज कॉम्पटीशन में मिस आगरा भी रह चुकी हैं. शिवांकिता ने पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग भी की है. मिस इंडिया की तैयारी करते-करते शिवांकिता मिस इंडिया वेस्ट बंगाल बनी थीं. इस दौरान शिवांकिता की दोस्ती मिस वर्ल्ड बनीं मानुषी छिल्लर से हुई थी. इस वक्त शिवांकिता मेकअप आर्टिस्ट के साथ-साथ मॉडलिंग भी कर रही हैं.

कैसे फंसीं शिवांकिता

ठगी को लेकर शिवांकिता ने बताया कि कुछ लोगों ने उनको वीडियो कॉल किया और कहा कि सीबीआई उनके जरिए एक गिरोह तक पहुंचना चाहती है. वीडियो में कुछ लोग पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे थे. इसके बाद उन्होंने शिवांकिता से कमरा बंद करने को कहा और ये भी कहा कि इस बारे में घरवालों से कुछ न कहें. इसके बाद ठगों ने शिवांकिता से पैसे मांगने शुरू कर दिए और करीब दो घंटे तक अरेस्ट रखा. जब फोन कटा तो शिवांकिता को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने अपने पिता को बताया. तब जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई गई.

क्या होता है डिजिटल अरेस्ट ?

डिजिटल अरेस्ट एक साइबर क्राइम है, जिसमें ठग नार्कोटिक्स, सीबीआई या फिर पुलिस वाले बनकर लोगों को वीडियो कॉल करते हैं. ठग इतने कॉन्फिडेंस से बात करते हैं कि जल्दी कोई समझ नहीं पाएगा कि ये साइबर फ्रॉड है. वो लोगों को मेंटली टॉर्चर करते हैं और बताते हैं कि उनके साथ कुछ गलत हो चुका है या फिर होने वाला है. पुलिस की वर्दी में लोगों को बैठा देख पीड़ित डर जाता है और उनके जाल में फंस जाता है.

उनके अंदर ये एटिट्यूड...रामायण में 'लक्ष्मण' बने टीवी एक्टर ने Ranbir Kapoor को लेकर कही ये बात

अब तक रामानंद सागर की 'रामायण' की चर्चा होती थी, उसके बाद ओम राउत की 'आदिपुरुष' चर्चा में थी और अब नितेश तिवारी की 'रामायण' चर्चा में है, जो दो पार्ट्स में रिलीज होगी. कुछ समय पहले मेकर्स ने अनाउंसमेंट की कि 'रामायण' का पहला पार्ट दिवाली 2026 में आएगा, वहीं दूसरा पार्ट दिवारी 2027 में आएगा. फिल्म के कई किरदार कंफर्म हो चुके हैं और अब कई के नाम धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं. इन नामों में एक नाम टीवी के पॉपुलर एक्टर रवि दुबे का भी है.जी हां, रवि दुबे नितेश तिवारी की रामायण में नजर आएंगे और उन्हें अहम किरदारों में एक कैरेक्टर मिला है. बताया जा रहा है कि रवि दुबे अपने इस रोल के लिए एक्साइटेड हैं और वादा किया है वो अपने रोल के साथ पूरा न्याय करेंगे.

नितेश तिवारी की 'रामायण' में रवि दुबे

सिने कनेक्ट से बात करते हुए रवि दुबे ने इस बात को कंफर्म किया है कि वो नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म रामायण का हिस्सा हैं. रवि ने इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने फिल्म साइन कर ली है और जो रोल उन्हें मिला है उसके लिए वो काफी एक्साइटेड भी हैं.

रवि दुबे ने कहा, 'मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, लेकिन अभी नितेश सर से बात करना बाकी है क्योंकि वो प्लान बना रहे हैं कि मुझे श्रीराम के किस भाई के रोल में फिट बैठा सकते हैं. रामायण की कहानी हम सबके लिए खास है और मुझे श्रीराम के किसी भी भाई का रोल मिला उसे में अच्छे से निभाऊंगा.' रिपोर्ट्स के मुताबिक, रवि दुबे को फिल्म रामायण में लक्ष्मण का रोल मिला है.

रणबीर कपूर के भाई बनने पर क्या बोले रवि ?

रणबीर कपूर को रवि दुबे किस तरह देखते हैं और उनको लेकर वो क्या सोचते हैं. इस सवाल के जवाब में रवि दुबे ने कहा, 'रणबीर बहुत ही अच्छे हैं, गर्मजोशी से मिलते हैं और बहुत ही प्रोफेशनल हैं. मैं जब भी उनसे मिला वो अच्छे से मिले, उनके अंदर ये एटिट्यूड नहीं है कि वो सुपरस्टार हैं. मेरा कभी कोई बड़ा भाई नहीं रहा है और फिल्म में उनके जैसा भाई पाकर मैं बहुत कुछ सीख सकता हूं.'रणबीर कपूर किस तरह काम करते हैं इसपर भी रवि दुबे ने बात की. रवि दुबे ने कहा, 'रणबीर अपने काम को बहुत ही धैर्य के साथ करते हैं. पहले वो हर सीन को डायरेक्टर से समझते हैं और जब अच्छे से समझ लेते हैं तब उनका परफेक्शन उस सीन में दिखता है. मुझे लगता है रणबीर कपूर इस जनरेशन के ऐसे स्टार हैं, जिनसे नए एक्टर्स को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है.'